दैनिक

CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186

राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित

RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com

मो. 9653906665

अंक 02/104 | जयपुर | 03 मई /2025 | शनिवार | मूल्य रु 5 | पृष्ठ: 04

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में बदला मौसम

आंधी-तूफान में उखड़े पेड़, बारिश से सड़कें लबालब

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के चलते पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। दिल्ली की सड़कों पर पानी भर गया है। बूंदाबांदी का सिलसिला तड़के 3 बजे के बाद शुरू हुआ। पहले आईटीओ, मंडी हाउस और मध्य दिल्ली के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी और बारिश शुरू हुई। कश्मीरी गेट से यमुना बाजार की ओर जाने वाले रास्ते पर जाम लग गया।

ये रहे हालात

7 मई तक नहीं मिलेगी राहतः आईएमडी

मौसम विभाग के अनुसार 1 मई से 7 मई तक आंधी व बारिश का अनुमान है। इस कारण से तापमान 34 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से 4 मई की सुबह तक मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। 5 और 6 मई को शाम के समय आंधी-तूफान और बादल गरजने की गतिविधियां रहेंगी।

उड़ानों को परिवर्तित किया, कई को रोका

दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार सुबह आंधी-तूफान और तेज हवाओं के कारण परिचालन बाधित होने के कारण तीन उड़ानों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया और 200 से अधिक उड़ानें विलंबित हो गईं। एक फ्लाइट को अहमदाबाद और दो फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया और कई अन्य फ्लाइट में देरी हुई।

गुरुग्राम बन गया जलग्राम

गुरुग्राम में बारिश से कई जगहों पर जलभराव हो गया है। घरों के अंदर पानी घुस गया। नरसिंहपुर गांव के सामने दिल्ली जयपुर हाईवे और सर्विस लेन पर तीन फीट पानी भर गया है। आंधी से कई जगह पेड़ टूट गए। इसकी चपेट में आकर पालम विहार में पार्क की दीवार ढह गई। दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।साउथ दिल्ली के शेख सराय में एक बड़ा पेड़ गिरने से 5 से 6 गाड़ी क्षतिग्रस्त और कई बाइकें दबी।

हिमाचल की चोटियों पर बर्फबारी, शिमला में झमाझम बारिश

गिरा पेड़, कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त बिजली व्यवस्था हो गई चौपट

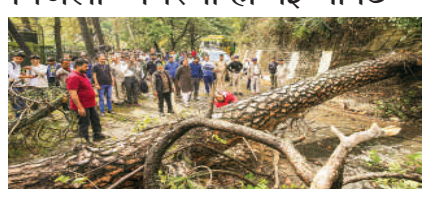

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला सहित राज्य के कई अन्य भागों में गुरुवार शाम से बारिश का दौर जारी है। चोटियों पर हल्की बर्फबारी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-5 व ऊंची पहाड़ियों के अधिकतम तापमान में 3-4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। कुल्लू सहित लाहौल घाटी में मौसम लगातार खराब बना हुआ है। रोहतांग दर्रा सहित ऊंची चोटियों में फाहे गिरे हैं।

घुमारु गांव में घर पर गिरा पेड़

हमीरपुर उपमंडल बड़सर घुमारु गांव गुरुवार देर रात को तेज अंधड़ में सुरिंदर कुमार के घर पर पेड़ गिर गया। टूटीकंडी में चीड़ का बड़ा पेड़ गिर गया है। इससे खलीनी-टूटीकंडी बाइपास पर वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। पेड़ गिरने से सड़क किनारे खड़ी 3 गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है।

एक सप्ताह तक जारी रहेगी बारिशए येलो अलर्ट : मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य आगामी 8 मई तक लगातार बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। इस दौरान कई स्थानों पर 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंधड़ चलने व बिजली चमकने का येलो अलर्ट है।

खबर संक्षेप

कोलकाता के साल्ट लेक में लगी भीषण आग

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के बाहरी इलाके साल्ट लेक के सेक्टर पांच में एक परिसर में शुक्रवार को भीषण आग लग गई जिसके बाद दमकल विभाग ने 12 गाड़ियों को मौके पर भेजा। आशंका है कि रासायनिक पदार्थों के गोदाम में आग लगी है। कई किलोमीटर दूर से आग की ऊंची लपटें और काला धुआं दिखा।

एंबुलेंस का कहर, 7 को उड़ाया, 1 की मौत

बेंगलुरु। शहर के विल्सन गार्डन इलाके में एक तेज रफ्तार एम्बुलेंस ने 7 लोगों को टक्कर मार दी जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 लोग बुरी तरह घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। घटना 1 मई की है जिसकावीडियो शुक्रवार को सामने आया है। बीटीएस रोड पर संजीविनी चालक चिरंजीव तेज गति से चला रहा था।

सिद्धारमैया के मंत्री ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरू। कर्नाटक के मंत्री शिवानंद पाटिल ने शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को बसवाना बागेवाड़ी क्षेत्र से विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। उन्होंने कहा कि वह विजयपुरा शहर के विधायक बसंगौड़ा पाटिल यतनाल द्वारा उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती स्वीकार करने के बाद विधायक पद छोड़ रहे हैं।

अहमदाबाद में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

वटवा। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में शुक्रवार को भीषण आग गई। हादसे में 2 लोग घायल हो गए। दमकल की 15 गाड़ियों ने मशक्कत की। वटवा जीआईडीसी फेस 4 स्थित जयश्री इंडस्ट्रीज की बताई जा रही है। केमिकल ड्रम्स में ब्लास्ट होने की वजह से आग भयावह हो गई।

पीएम ने केरल को दी 8900 करोड़ की सौगात, विझिनजाम बंदरगाह देश को समर्पित

आज के कार्यक्रम से कई लोगों की नींद हो जाएगी हराम यहां 'मजबूत स्तंभ' मंचासीन, पर नहीं लिया कोई नाम

ये बात तो बड़ी दूर तलत जाएगी

मोदी ने इशारों-इशारों में बहुत कुछ कह दिया

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में देश की पहली अंतर्राष्ट्रीय डीपवाटर ट्रांसशिपमेंट परियोजना, विझिनाम इंटरनेशनल सीपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन किया है। पीएम मोदी ने इस दौरान जनता को भी संबोधित किया। वे अपने तंज के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने कुछ ऐसा ही एक बार फिर किया। उन्होंने सीएम पिनराई विजयन और सांसद शशि थरूर का नाम लेकर विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन पर तंज कसा। पीएम मोदी इशारों-इशारों में कांग्रेस पर तंज कसा और पूरे इंडी गठबंधन पर भी हमला बोल दिया। पीएम ने कहा, कि मैं सीएम को बताना चाहता हूं, आप इंडी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं, शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद उड़ा देगा। जहां पहुंचनी चाहिए ये बात पहुंच भी गई होगी।

विजयन और थरूर को बताकर 'इंडी गठबंधन' पर कसा तंज

केरल को 8,900 करोड़ की सौगात दी

केरल की जनता को पीएम मोदी ने को 8,900 करोड़ की सौगात दी। उन्होंने हजारों करोड़ की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है।

भारत की समुद्री सुरक्षा में बड़ी उपलब्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में 8,900 करोड़ रुपए की लागत वाले 'विझिंजम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ विशाल समुद्र है, जिसमें अनेक अवसर हैं और दूसरी तरफ प्रकृति की सुंदरता है, इन दोनों के बीच यह 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाला बहुउद्देशीय बंदरगाह' है, जो नए युग के विकास का प्रतीक है।

भगवान आदि शंकराचार्य को नमन किया

उन्होंने कहा कि आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती है। उवर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं।

हार्ड हैट पहनकर ट्रांसशिपमेंट हब का चक्कर लगाया

पीएम मोदी तिरुवनंतपुरम शहर से हेलीकॉप्टर द्वारा बंदरगाह क्षेत्र में पहुंचे। हार्ड हैट पहनकर ट्रांसशिपमेंट हब का चक्कर लगाया। उन्होंने केरल के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर, विजयन, गौतम अडाणी और थरूर की उपस्थिति में सुविधा के पहले चरण का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया।

गुलामी से पहले के दौर का भी जिक्र किया

उन्होंने कहा कि गुलामी से पहले हमारे भारत ने हजारों वर्ष की समृद्धि देखी है। एक समय वैश्विक जीडीपी में मेजर शेयर भारत का हुआ करता था। उस दौर में हमें जो चीज दूसरे देशों से अलग बनाती थी, वो थी समुद्री क्षमता, हमारी पोर्ट सिटी की आर्थिक गतिविधि। केरल का इसमें बड़ा योगदान था।

आंध्र को भी दी 58000 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

पीएम मोदी ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में 58,000 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती का निर्माण फिर से शुरू करना भी शामिल है, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' है।प्रधानमंत्री ने 94 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें राजधानी शहर के संस्थान, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे उन्नयन और रक्षा संबंधी प्रतिष्ठान शामिल हैं।

पीएम ने 94 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

अमरावती में एक सपना सच होते दिख रहा

मोदी ने कहा कि आज जब मैं इस अमरावती की भूमि पर खड़ा हूं तो मुझे केवल ये एक शहर नहीं दिख रहा है बल्कि मुझे ये एक सपना सच होते हुए दिख रहा है।

डीआरडीओ का मिसाइल परीक्षण केंद्र

पीएम ने 5,028 करोड़ की 9 केंद्रीय परियोजनाओं की नींव रखी। इनमें नागयालंका में डीआरडीओ का मिसाइल परीक्षण केंद्र, यूनिटी मॉ , गुंटकल - मल्लप्पा गेट रेल ओवरब्रिज और 6 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं। मिसाइल परीक्षण केंद्र में प्रक्षेपण केंद्र भी होगा।

सीडब्ल्यूसी बैठक में बोले खरगे

पहलगाम हमले पर जवाब के लिए सरकार की रणनीति स्पष्ट नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की अहम बैठक में शुक्रवार को पहलगाम आतंकी हमले और केंद्र सरकार की ओर से किए गए जाति जनगणना के ऐलान पर चर्चा की गई। बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए जा सकते हैं। महासचिव जयराम नरेश ने कहा था कि पहले प्रस्ताव में पहलगाम हमले के बाद पाक के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की जा सकती है। दूसरे में जल्द जाति जनगणना के लिए धन आवंटन की मांग की जा सकती है। संविधान में संशोधन करके आरक्षण पर लगी 50 फीसदी की सीमा को हटाने पर भी चर्चा की थी। खरगे ने कहा कि केंद्र के पास आतंकी हमले के बाद की स्थिति से निपटने की स्पष्ट रणनीति नहीं है।

नेशनल हेराल्ड मामले में नोटिस

सोनिया, राहुल और पित्रोदा की मुश्किलें बढ़ीं अदालत ने भेजा नोटिस

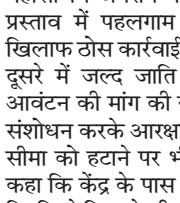

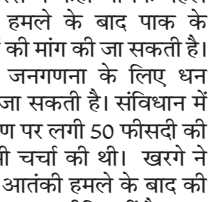

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को नोटिस जारी किया है। 25 अप्रैल को कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। अदालत ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज लाने और खामियों को दूर करने को कहा था। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

चौहान ने तकनीक अपनाने पर दिया जोर

नक्शा, अमृत सरोवर के साथ ही आजीविका मिशन की समीक्षा की

⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को नई दिल्ली के कृषि भवन में वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रामीण विकास एवं भूमि संसाधन विभाग की योजनाओं-कार्यक्रमों की समीक्षा की।

चौहान ने भूमि संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक

तकनीक के जलग्रहण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में बेहतर उपयोग के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि मृदा व नमी संरक्षण डेटा के आधार पर निर्णय सहायता प्रणाली (डीएसएस) विकसित करके ग्राम समुदाय और व्यक्तिगत किसानों को उचित सलाह दी जानी चाहिए।

राष्ट्रपति 'एजिंग विद डिग्निटी'में बोलीं

वरिष्ठों को बताया अतीत से जुड़ने की कड़ी,भविष्य का मार्गदर्शक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल 'एजिंग विद डिग्निटी' नामक कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक अतीत से जुड़ने की कड़ी होते हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी होते हैं। हमें उनके मार्गदर्शन को महत्व देना चाहिए। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक गृहों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक

उपकरणों का वितरण के साथ ही विभाग तथा ब्रह्माकुमारीज संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने कहा एक राष्ट्र के रूप में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम वरिष्ठ नागरिक वृद्धावस्था का काफी समय सम्मान और सक्रियता के साथ बिताएं।

पाकिस्तानी परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

वीजा की अवधि निकल चुकी

अधिकारी परिवार के दस्तावेज की जांच पड़ताल करें, फिलहाल निर्वासित न करें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पाकिस्तान निर्वासित होने के कगार पर पहुंचे एक परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। जम्मू कश्मीर के 6लोगों को एक परिवार पर निर्वासन की तलवार लटकी है। ये परिवार कथित तौर पर वीजा की अवधि निकल जाने के बाद भी भारत में रुका हुआ है। परिवार का कहना है कि उनके पास भारत में रहने के वैध दस्तावेज हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ता और उसके परिवार के सभी दस्तावेजों की जांच करें। अदालत ने दस्तावेजों की

वैधता पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया है। हालांकि कोई समयसीमा तय नहीं की है। अदालत ने फैसला लिए जाने तक याचिकाकर्ता परिवार के खिलाफ कोई कार्रवाई न करने का भी निर्देश दिया है। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा याचिकाकर्ता दस्तावेज की जांच से संतुष्ट नहीं हैं उच्च न्यायालय जा सकते हैं।

पीओके से भारत के कश्मीर पहुंचा परिवार

याचिकाकर्ता अहमद तारेक बट्ट का परिवार भारत के जम्मू कश्मीर में रहता है और परिवार के दो बेटे बंगलूरू में नौकरी करते हैं। यह परिवार साल 1987 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से जम्मू कश्मीर पहुंचा था। पहलगाम हमले के बाद सरकार ने भारत से पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित करना शुरू कर दिया है। परिवार के 5सदस्यों को हिरासत में लिया गया है।

बुजुर्ग की गुहार सुन अदालत ने बदला अपना फैसला

तेलंगाना के निजामाबाद की अनोखी तस्वीर

जज साहब कोर्ट नहीं आ सकते, मीलॉर्ड इंसाफ देने के लिए खुद रोड पर उतर आए

एजेंसी ⏭ निजामाबाद

तेलंगाना के निजामाबाद जिले के बोधन कस्बे में सोमवार को एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली। यहां एक जज एसम्पेल्ली साई शिवा बुजुर्ग कपल को इंसाफ देने के लिए खुद सड़क पर उतर आए। दरअसल दोनों खराब सेहत के कारण कोर्ट तक आने में लाचार थे। जज के इस मानवीय कदम की सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ हो रही है।

यह था मामला

कोर्ट के रिकॉर्ड के अनुसार कांतापु सयाम्मा और कांतापु नादपी गंगाराम पर साल 2021 में उनकी बहू ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। तेलंगाना पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 498-ए के तहत केस दर्ज किया था। दिसंबर 2021 में चार्जशीट दाखिल होने के बाद बोधन कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही थी। करीब 30 बार सुनवाई होने के बाद आखिरकार 22 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया गया।

जज ने सड़क पर ही फैसले पर साइन

हालांकि यह घटना देश में अदालतों की खस्ताहाल बुनियादी ढांचे की पोल खोलती है। एक बुजुर्ग के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है कि वह कोर्ट पहुंच सके या ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि इस स्थिति में कोर्ट उनके घर तक पहुंच जाए। जज कोर्ट के बाहर सड़क पर ही फैसले पर साइन करते दिखे।

राम मंदिर भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक शुरू

23 को राम मंदिर के प्रथम तल पर होगी राम दरबार की स्थापना

एजेंसी ⏭ अयोध्या

अयोध्या यहां के जग प्रसिद्ध राम मंदिर भवन निर्माण समिति की 3 दिवसीय बैठक शुरू हो गई है। भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि मुख्य मंदिर के प्रथम तल में राम दरबार की प्रतिमा और शेषावतार मंदिर की प्रतिमाएं आनी शेष हैं। 23 मई को राम दरबार की प्रतिमा राम मंदिर में स्थापित की जाएगी।

50 पास दर्शन के लिए जारी होंगे

750 श्रद्धालु एक दिन में दर्शन करेंगे

50 पास प्रतिघंटे जारी किए जाएंगे

10 सेंसर इस मंदिर में लगाए गए

भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष ने जानकारी दी

तीन महीने में मंदिर का लोड

मिश्रा ने बताया कि 3 महीने में मंदिर का लोड फैक्टर चेक किया जाएगा। रुड़की के वैज्ञानिकों की ओर से मंदिर के मापदंड को देखते हुए प्रति घंटे 50 श्रद्धालुओं को ऊपर जाने की अनुमति दी गई है। राम मंदिर में 10 सेंसर लगाए गए हैं। पत्थरों के मूवमेंट जांचेंगे।

बाउंड्री को छोड़कर मंदिर परिसर में सभी निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे: भूकंप में भी सेंसर पहले ही संकेत करते हैं। सेंसर के जरिए तीन माह में मंदिर पर पड़ने वाले लोड का अध्ययन किया जाएगा। राम मंदिर की बाउंड्री को छोड़कर मंदिर परिसर में सभी निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरे हो जाएंगे।

30 मई को शेषावतार मंदिर में लक्ष्मण जी की प्रतिमा लगेगी

30 मई से पहले शेषावतार मंदिर में भी लक्ष्मण जी की प्रतिमा को स्थापित कर दिया जाएगा। तीन जून से राम मंदिर के राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा शुरू होगी। 3 से 5 जून तक प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव होगा। राम दरबार में श्रद्धालुओं के दर्शन की तिथि ट्रस्ट तय करेगा। पास के जरिए एक दिन में 750 श्रद्धालु राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार का दर्शन कर सकेंगे। प्रति घंटे 50 पास जारी किए जाएंगे। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर पास जारी होगा।

चिंतन

भारत को आत्मरक्षा का अधिकार आतंक के दोषियों को नहीं बख्शेगा

आतंकवाद पर अमेरिका को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। किसी भी आतंकी घटना को अमेरिकी हित के दृष्टिकोण से देखने की जरूरत नहीं है। आतंकवाद केवल और केवल आतंकवाद है और इसके दोषी व साजिशकर्ता कभी माफ नहीं किए जा सकते। खुद अमेरिका ने 9/11 के गुनहगार ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान के सैन्य क्षेत्र एबटाबाद से पकड़कर सजा दी। पहलगाम आतंकी घटना की अमेरिका ने निंदा जरूर की है, लेकिन अमेरिकी प्रशासन ने सीधे तौर पर पाकिस्तान को कंडेम नहीं किया है। अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस ने, जिनकी भारत यात्रा के दौरान पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ, अमेरिका पहुंचने के बाद पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान को 'कुछ हद तक जिम्मेदार' बताते हुए भारत के साथ सहयोग की उम्मीद जताई। अमेरिका की ओर से बार-बार भारत से संयम बरतने की अपील भी आतंकवाद के खिलाफ कठोर रुख के विपरीत है, जबकि पहलगाम आतंकी हमले में 27 बेकसूर नागरिक मारे गए हैं, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद सबसे भीषण आतंकवादी हमला है। पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्करे तैयबा के प्रॉक्सी गुट द रेजिसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने आगे बढ़कर इस हमले की जिम्मेदारी ली, इसका सीधा मतलब है कि इस हमले में पाकिस्तान किसी न किसी रूप में लिप्त है। पाकिस्तान ने खुद कई बार स्वीकार किया है कि वह अमेरिकी मदद का इस्तेमाल आतंकवाद को पालने-पोसने में करता रहा है। इसके बाद अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद रोकी व फिर कटौती की। अभी हाल ही में पाकिस्तान के दो-दो मंत्रियों ने स्वीकार किया है कि पाकिस्तान का आतंक का इतिहास रहा है, किसी तीसरे के लिए उसने आतंक को पनाह दी। पाकिस्तान स्थित कई आतंकियों को अमेरिका खुद व संयुक्त राष्ट्र ने ग्लोबल टेररिस्ट घोषित कर रखा है। अमेरिका को यह भी पता है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ लंबे अर्से से एस्टाब्लिशमेंट प्रायोजित आतंकवाद का इस्तेमाल करता रहा है, अनेक बार भारत ने सबूत दुनिया के सामने रखे हैं, इसके बाद भी अगर अमेरिका पहलगाम घटना के बाद दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संघर्ष का हवाला देते हुए भारत से संयम बरतने और पाकिस्तान से जांच में सहयोग करने की अपील कर रहा है तो यह उसका कहीं से भी आतंकवाद को लेकर कड़ा रवैया नहीं है। भारत ने अमेरिकी रक्षा मंत्री हेगसेथ और विदेश मंत्री मार्क रूबियो के साथ बातचीत में स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद के मामले में भारत किसी देश का दबाव नहीं सहेगा। अमेरिका की ओर से केवल निंदा किए जाने से भारत खुश नहीं है। भारत का स्पष्ट संदेश है कि पहलगाम के दोषियों और उसके साजिशकर्ताओं को सख्त सजा मिलेगी। भारत आतंकवाद के खिलाफ स्टेप बाय स्टेप कदम उठा रहा है, जिसमें सीमा बंदी से लेकर सिंधु जल समझौता को निलंबित करने तक शामिल हैं। अब भारत एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) में पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट कराने की तैयारी में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) भी भारत व पाक के बीच तनाव पर बैठक करेगी। भारत को आत्मरक्षा का अधिकार है, कोई भी यूं ही आतंकी हमला कर बच नहीं सकता है। इजराइल ने आत्मरक्षा के अधिकार के तहत ही आतंकी गुट हमास के खिलाफ सैन्य एक्शन लिया। भारत सरकार ने भी आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए अपनी तीनों सेनाओं को खुली छूट दी है। विश्व आतंकवाद के खिलाफ आंख मूंद कर नहीं रह सकता है। यह आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का वक्त है, भारत इसका खात्मा करने तक लड़ता रहेगा।

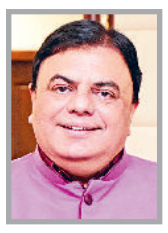

विश्लेषण

प्रदीप सरदाना

शुरुआत अच्छी पर चुनौतियां भी कई

रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम बनीं तो सबसे बड़ा सवाल यही था कि रेखा क्या इतनी बड़ी जिम्मेदारी ढंग से संभाल सकेंगी? भाजपा की दिल्ली में 26 साल बाद बड़ी मुश्किल से वापसी हुई है। ऐसे में पिछड़ती, प्रदूषित, प्यासी और गंदगी के पहाड़ों से दबी दिल्ली को भाजपा के शासन से ढेरों उम्मीदें हैं। लेकिन रेखा गुप्ता ने अपने दो महीने के कार्यकाल में ही विभिन्न कार्यों, व्यवहार और कामकाज के ढंग से सभी का दिल मोह लिया है। रेखा गुप्ता ने बिना एक पल गंवाए, अपने मंत्रिमंडल के साथ जिस तरह ताबड़ तोड़ काम शुरू किए हैं, उससे आशा बनी है कि वे जल्द ही दिल्ली की रूपरेखा बदल देंगी। यह भरोसा रेखा गुप्ता के पिछले दो महीनों में उनके क्रिया कलापों को देखकर बन रहा है।

पिछले दो महीने से दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कामकाज को देखते हुए मुझे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्रियों का स्मरण हो आया। मैं दिल्ली सरकार और उससे पूर्व दिल्ली प्रशासन को लगभग 50 बरसों से करीब से देख रहा हूँ। सन 1993 में नवगठित विधानसभा से पूर्व 1967 से 1990 तक यहां दिल्ली महानगर परिषद थी। परिषद के मुख्य कार्यकारी पार्षद का पद तब मुख्यमंत्री के समतुल्य सा था। मैंने सबसे पहले मार्च 1978 में तत्कालीन मुख्य कार्यकारी पार्षद (सीईसी) केदार नाथ साहनी का इंटरव्यू किया था। वह एक योग्य शासक और बेहद शालीन व्यक्ति थे। दिल्ली में 35 पुनर्वास बस्तियों का निर्माण उन्हीं के कार्यकाल में हुआ।

यूं दिल्ली के अन्य तीन सीईसी से भी मेरी आगे-पीछे मुलाकातें होती रहीं। जिनमें प्रथम सीईसी विजय कुमार मल्होत्रा तो पीजीडीएवी महाविद्यालय में मेरे शिक्षक भी रहे। उन्होंने सबसे पहले हरित और सुंदर दिल्ली पर ध्यान देकर दिल्ली में पेड़-पौधे लगवाने के साथ बहुत से पार्क और फव्वारों का निर्माण भी कराया। दिसंबर 93 से 1998 तक पहले मदन लाल खुराना फिर साहिब सिंह वर्मा और फिर चंद दिनों के लिए सुषमा स्वराज ने दिल्ली सीएम का पद संभाला। उसके बाद 15 बरस तक कांग्रेस की शीला दीक्षित दिल्ली की सीएम बनीं। मैंने इन सभी के भी कई बार इंटरव्यू किए। सभी से कई मुलाकातें हुईं। खुराना, साहिब सिंह और शीला दीक्षित ने तो दिल्ली के विकास के लिए बहुत कुछ किया। हां, दीक्षित भ्रष्टाचार के आरोपों में भी घिरी रहीं। लेकिन पिछले करीब 10 साल में केजरीवाल और आतिशी के कार्यकाल में दिल्ली बुरी तरह पिछड़ गयी। इस दौरान कागजों और भाषणों में ही बहुत कुछ हुआ लेकिन धरातल पर निल बटा सन्नाटा ही रहा। इधर जब गत 20 फरवरी को रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम बनीं तो सबसे बड़ा सवाल यही था कि पहली बार विधायक बनीं रेखा क्या इतनी बड़ी जिम्मेदारी ढंग से संभाल सकेंगी ? भाजपा की दिल्ली में 26 साल बाद बड़ी मुश्किल से वापसी हुई है। ऐसे में पिछड़ती, प्रदूषित, प्यासी और गंदगी के पहाड़ों से दबी दिल्ली को भाजपा के शासन से ढेरों उम्मीदें हैं। लेकिन रेखा गुप्ता ने अपने दो महीने के कार्यकाल में ही विभिन्न कार्यों, व्यवहार और कामकाज के ढंग से सभी का दिल मोह लिया है। रेखा गुप्ता ने बिना एक पल गंवाए, अपने मंत्रिमंडल के साथ मिलकर जिस तरह ताबड़ तोड़ काम शुरू किए हैं, उससे आशा बनी है कि वे जल्द ही दिल्ली की रूपरेखा बदल देंगी। यह भरोसा रेखा गुप्ता के पिछले दो महीनों में उनके क्रिया कलापों को देखकर बन रहा है। असल में रेखा गुप्ता के आरंभिक रंग ढंग दर्शाते हैं कि भाजपा को एक नयी सशक्त नेत्री,अच्छी मुख्यमंत्री मिल गयी है। जो रोग भी पहचानती हैं और उसका उपचार भी अच्छे से जानती हैं। इधर भाजपा के अन्य मुख्यमंत्रियों की लोकप्रियता देखें तो मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान ने लोकप्रियता के साथ जनता से अपना जो रिश्ता कायम किया वह बेमिसाल है। मध्यप्रदेश से केंद्र में आने के बावजूद शिवराज का अपने राज्य से मोह कम नहीं हुआ। बरसों पहले खुराना का दिल भी सिर्फ दिल्ली के लिए धड़कता था। बाद में वह चाहे केंद्र में मंत्री बने या राजस्थान के राज्यपाल लेकिन वह दिल्ली को नहीं भूल पाये। उनके

सपनों में दिल्ली ही रही। इधर अब उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और असम के हिमंत बिस्वा भाजपा के सर्वाधिक लोकप्रिय सीएम ही नहीं फायर ब्रांड नेता भी हैं। रेखा गुप्ता में भी मुझे शिवराज और खुराना की कुछ झलक तो मिलती ही है। साथ ही सुषमा स्वराज की भी। वह उनकी तरह बन पाती हैं या नहीं यह तो बाद में पता लगेगा, लेकिन सिर्फ दो महीने में ही अपनी कार्यप्रणाली और कामकाज की छाप छोड़कर जो लोकप्रियता उन्होंने पाई है, उससे विपक्ष ही नहीं भाजपा के कई नेता और मुख्यमंत्री तक हैरान हैं।

रेखा गुप्ता ने इन दो महीनों में ही जो बड़े कार्य कर दिखाये, उनमें आयुष्मान योजना सबसे बड़ा कदम है। अभी 28 अप्रैल को 70 और उससे अधिक आयु के दिल्ली के सभी बुजुर्गों के लिए उन्होंने आयुष्मान वय वंदना कार्ड जारी करने शुरू भी कर दिये। इस योजना में पंजीकृत देशभर के अस्पतालों में सभी बुजुर्ग 10 लाख रुपये तक का इलाज पूरी तरह निःशुल्क करा सकेंगे। इससे पहले गरीब व्यक्तियों के लिए भी आयुष्मान कार्ड मिलने का काम 10 अप्रैल को शुरू हो गया। फिर 20 अप्रैल को जल माफिया पर लगाम कसते हुए, दिल्ली सरकार ने जीपीएस युक्त 1111 जल के ऐसे टैंकर शुरू किए जिससे निःशुल्क स्वच्छ जल मिलने के साथ टैंकर की निगरानी भी हो सकेगी। फिर यमुना की सफाई के साथ गंदे नालों की सफाई का काम भी व्यापक स्तर पर शुरू हो गया है। साथ ही 8 मार्च को दिल्ली की गरीब महिलाओं के लिए 2500 रुपये माह की सहायता वाली 'महिला समृद्धि योजना' के लागू करने का कार्य भी शुरू हो चुका है। फिर 25 मार्च को खीर बनाने की नयी परंपरा के साथ एक लाख करोड़ रुपये का दिल्ली का अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत करना भी बताता है कि दिल्ली की योजनाएं अब धन के अभाव में रुकेंगी नहीं। रेखा गुप्ता की कूटनीति और शिष्टाचार की बात करें तो वह इस दौरान राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा अध्यक्ष के साथ अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा और निर्मला सीतारमण सहित कई केंद्रीय मंत्रियों और कुछ मुख्यमंत्रियों से भी अलग से मिलीं हैं। साथ ही भाजपा के उन दिग्गज नेताओं से भी जो आज मुख्यधारा में न होकर लगभग एकांतवास में हैं। यहां तक कि दिल्ली के सभी सांसदों से भी वह घर जाकर मिलीं। उधर रेखा गुप्ता अपनी जड़ों की ओर लौटते हुए अपने दौलतराम कॉलेज की प्राचार्या से मिलीं तो एबीवीपी और दिल्ली विश्वविद्यालय के समारोह में अपनी पुरानी यादों को भी उन्होंने दिल से साझा करते हुए युवाओं को अपने मन के बड़े सपने देखने की सलाह दी। यहां तक कि आरएसएस और अनेक धार्मिक समारोहों में भी वह बराबर शामिल हो रहीं हैं। रेखा ने घर में पहले की तरह विशाल कंजक पूजन भी कराया।

दिल्ली की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए भी उनका दरबार नियमित लग रहा है। पीएम नरेन्द्र मोदी की तरह बिना अवकाश लिए वह जिस तरह लगातार काम कर रही हैं, वह उन्हें बहुतों से अलग और विशेष बनाता है। गत 12 अप्रैल को वह सड़क पर उस व्यक्ति की कार रोक लेती हैं जो चलती कार से गायों को रोटी डाल यातायात जाम और दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है। सीएम उसे विनम्रता से समझाकर हाथ मिला वचन लेती हैं कि वह आगे ऐसे नहीं करेगा। स्कूल की छात्राओं के कार्यक्रम का आयोजन कराकर वह उनके दुख दर्द के साथ उनके सपने भी जानती हैं। उधर निजी स्कूल द्वारा फीस बढ़ाने, गंदे नालों की सफाई न होने के साथ जलभराव और एक विदेशी महिला का पासपोर्ट खो जाने पर रेखा गुप्ता के सख्त तेवर भी साफ दिखाई देते हैं। यदि आगे भी वह इसी गति और स्फूर्ति से कार्य करती रहीं तो एक स्वच्छ, स्वस्थ और विकसित दिल्ली का स्वप्न जल्द पूर्ण हो सकेगा।

मानवीय संकट

मुनीष भाटिया

दक्षिण एशिया में धर्म के नाम पर हो रही हिंसा

दक्षिण एशिया में हिंदू समुदाय आज एक जटिल और गहराते मानवीय संकट का सामना कर रहा है। पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान, ये तीनों क्षेत्र भले ही ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से भिन्न हों, परंतु एक समान पीड़ा में बंधे हुए प्रतीत होते हैं। हिंदू समुदाय पर हो रहे संगठित हमले, उनकी धार्मिक स्वतंत्रता पर पाबंदियां, और शासन की चुप्पी या निष्क्रियता। यह संकट अब किसी एक देश या राज्य तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह एक वैश्विक मानवाधिकार चिंता का विषय बन चुका है, जिसे नजरअंदाज करना स्वयं मानवता के खिलाफ अपराध होगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हिंदू पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला इस संकट का और भी खतरनाक आयाम प्रस्तुत करता है। इस हमले में आतंकवादियों ने निशाना बनाकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या की। यह न केवल मानवाधिकार पर हमला था, बल्कि यह संदेश भी था कि अब धार्मिक पहचान को निशाना बनाना आतंकवाद की रणनीति का हिस्सा बन चुका है। यह मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता दोनों पर एक गहरा आघात है, जिसकी अनदेखी केवल और अधिक त्रासदी को न्योता देना होगा। पश्चिम बंगाल, जिसे कभी 'सांस्कृतिक राजधानी' कहा जाता था, आज धार्मिक असंतुलन और टकराव का केंद्र बनता जा रहा है। राज्य के विभिन्न हिस्सों हावड़ा, रिसड़ा, उत्तर 24 परगना, बीरभूम और मालदा में रामनवमी, हनुमान जयंती और दुर्गा पूजा जैसे पारंपरिक धार्मिक आयोजनों पर बार-बार पथराव, हमले और तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आई हैं। धार्मिक जुलूसों पर हमले अब अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति बनते जा रहे हैं। प्रशासन की निष्क्रियता या पक्षपातपूर्ण रवैया इस स्थिति को और भी गंभीर बना देता है। कई घटनाओं में पुलिस की समय पर कार्रवाई नहीं होना, या दोषियों पर सख्त कार्रवाई न करना, यह संकेत देता है कि या तो राज्य प्रशासन इन घटनाओं को गंभीरता से नहीं ले रहा, या फिर राजनीतिक लाभ-हानि की गणना के तहत चुप्पी साधे बैठा है। यह न केवल संवैधानिक मूल्यों का हनन है, बल्कि राज्य के नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। बांग्लादेश, जो 1971 में धर्मनिरपेक्षता के आदर्श के साथ अस्तित्व में आया था, अब उस मूल भावना से लगातार दूर होता जा रहा है। अक्टूबर 2021 में कमिला और नोआखली जिलों में हुए दंगों के दौरान हजारों हिंदू घर और मंदिरों को जलाया गया, जबकि सरकार और प्रशासन ने देर से कार्रवाई की। यह चुप्पी इस बात का संकेत है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय, जो अब 8% से भी कम रह गया है, अपने ही देश में असुरक्षित और अकेला महसूस करता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या बांग्लादेश अपने अल्पसंख्यकों को वह संरक्षण देने में विफल हो गया है जो एक आधुनिक राष्ट्र की जिम्मेदारी होती है? पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की स्थिति सबसे अधिक भयावह है। यह देश, जो खुद को इस्लामी गणराज्य घोषित करता है, वहां गैर-मुस्लिमों की धार्मिक स्वतंत्रता हमेशा खतरे में रही है। हिंदू लड़कियों का अपहरण कर जबरन निकाह और धर्मांतरण की घटनाएं आए दिन सामने आती हैं, जिसमें राज्य संरचनाएं कई बार मूकदर्शक बनी रहती हैं। 2020 में कराची और रहीम यार खान में मंदिरों पर हुए हमलों ने वैश्विक मीडिया में सुर्खियां बटोरीं, लेकिन फिर भी कोई ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए। पाकिस्तान में 'ब्लासफेमी लॉ' का दुरुपयोग कर अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं को निशाना बनाना एक हथियार बन गया है, जिसमें झूठे आरोपों के चलते उनकी हत्या तक कर दी जाती है। यह गहन चिंता का विषय है कि जब विश्व के किसी भी कोने में मुस्लिम, ईसाई या अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ अन्याय होता है, तो अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं, मानवाधिकार संगठन, और वैश्विक बुद्धिजीवी वर्ग तुरंत प्रतिक्रिया देते हैं। लेकिन जब पीड़ित हिंदू होता है, चाहे वह बंगाल में हो, बांग्लादेश में या पाकिस्तान में – तो एक प्रकार का मौन छा जाता है। यही मौन सबसे बड़ा अन्याय है। मानवाधिकार की परिभाषा क्या केवल राजनीतिक रूप से 'उपयुक्त' माने जाने वाले समुदायों तक सीमित है? क्या बहुसंख्यक समुदाय के भीतर मौजूद अल्पसंख्यकों की पीड़ा को नकार देना ही उदारवाद है? यह दोहरा मापदंड मानवाधिकार के सार्वभौमिक स्वरूप को अपंग बनाता है और न्याय की अवधारणा को खंडित करता है। आज जब हिंदू समुदाय एक संगठित संकट के दौर से गुजर रहा है, तो हमारी संवेदनशीलता, हमारी नैतिकता और हमारी चुप्पी, सबकुछ इस परीक्षा का हिस्सा है और इस परीक्षा में मौन रहना, सबसे बड़ा अन्याय है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

शंकराचार्य को ज्ञान देकर अंतर्धान हो गए भगवान शंकर

संकलित

दर्शन

शंकराचार्य नित्य-प्रति गंगा में स्नान करके तर्पण किया करते थे। सूर्योदय से पूर्व उनकी पूजा पूर्ण हो जाती। एक दिन सूर्योदय होते-होते वे पूजा समाप्त करके विश्वनाथ मंदिर जा रहे थे। उन्होंने देखा कि गली में शमशान घाट में काम करने वाला एक व्यक्ति चार कुत्तों को चारों दिशाओं में बिठाए हुए रास्ता रोके खड़ा है। शंकराचार्य ने बहुत नम्र भाव से कहा, 'आप एक ओर हट जाएं तो मैं विश्वनाथजी के दर्शन करने चला जाऊं।' उस व्यक्ति ने शुद्ध संस्कृत में उनका प्रतिवाद करते हुए कहा, 'ओ संन्यासी! मार्ग से किसे हटा रहे हो? मेरे इस शरीर को या इसकी आत्मा को? हमने तुम्हारा शास्त्रार्थ सुना है। तुम्हारा सिद्धांत है कि वह पूर्ण ब्रह्म सर्वत्र सब में, तुम में और मुझ में एक समान विद्यमान है। पर तुम मुझे इस तरह दूर भगा रहे हो मानो मैं तुमसे भिन्न कोई और हूं? यदि तुम इस शरीर को हटाना चाहते हो, जो अन्न से बना हुआ है तो जो मांस-मज्जा तुम्हारे शरीर में है, वही मेरे में है। यदि तुम शुद्ध चैतन्य को अलग करना चाहते हो तो वह तो यहां-वहां सर्वत्र है। फिर तुम किसे हटाना चाहते हो? क्या इस पवित्र गंगा में प्रतिबिंबित सूर्य की आभा उस बिंब से अलग है, जो मेरे निवास स्थान के समीप एक गंदे तालाब में पड़ती हुई दिखाई दे रही है?' उस व्यक्ति की अकाट्य युक्ति सुन कर और संस्कृत भाषा का शुद्ध व्यवहार देखकर शंकर स्तंभित रह गए। उनकी आंखें आश्चर्य से विस्फारित हो उठीं। उन्होंने उसे प्रणाम किया।

मन एक सेतु की भांति

संकलित

प्रेरणा

दुनिया कभी नहीं रही अराजकता और अव्यवस्था में, केवल मन रहा है। संसार तो परम रूप से व्यवस्थित है। यहां कोई अव्यवस्था नहीं, सुव्यवस्था है। केवल मन ही सदा अव्यवस्था में रहता है और सदा अव्यवस्था में ही रहेगा। मन एक सेतु की भांति है, इसे पार करना है। दूसरे किनारे को प्राप्त करना ही है। और तुमने तो सेतु पर ही घर बना लिया है। तुमने सेतु पर रहना शुरू कर दिया है। तुम मन के साथ जुड़ गए हो। तुम पड़े हो जाल में, क्योंकि तुम कहीं नहीं हो। कैसे तुम कहीं न होने वाली जमीन पर व्यवस्थित हो सकते हो? 'वापस आओ, वापस लौट आओ, उस किनारे पर जिसे कि तुम छोड़ चुके हो।' और वापस लौटना होता नहीं, क्योंकि तुम समय में पीछे की ओर बढ़ नहीं सकते। बढ़ना केवल एक ही है, वह है आगे की ओर- आगे। अतीत तुम पर गहरा प्रभाव बनाए रहता है; क्योंकि तुम होते हो सेतु पर। अतीत भी सेतु पर होने से तो बेहतर लगता है। एक छोटी झोपड़ी भी ज्यादा ठीक होती है, सेतु पर होने की अपेक्षा। कम-से-कम वह एक घर तो है; तुम सड़क पर नहीं होते। तुम्हारे अंतस को निर्विचार कर देने का, मन को गिरा देने का, सेतु पर से सरकने का, अज्ञात में बढ़ने का और रहस्य में छलांग लगा देने का। इसलिए मैं कहता हूं... हिसाब-किताब मत लगाना, क्योंकि वह मन की चीज है। इसीलिए मैं कहता हूं कि आध्यात्मिक खोज सीढ़ी-दर-सीढ़ी नहीं होती, आध्यात्मिक खोज है- एक अचानक छलांग। वह साहस है, वह कोई हिसाब-किताब नहीं। वह बुद्धि की चीज नहीं, क्योंकि बुद्धि है मन का हिस्सा।

अंतर्मन

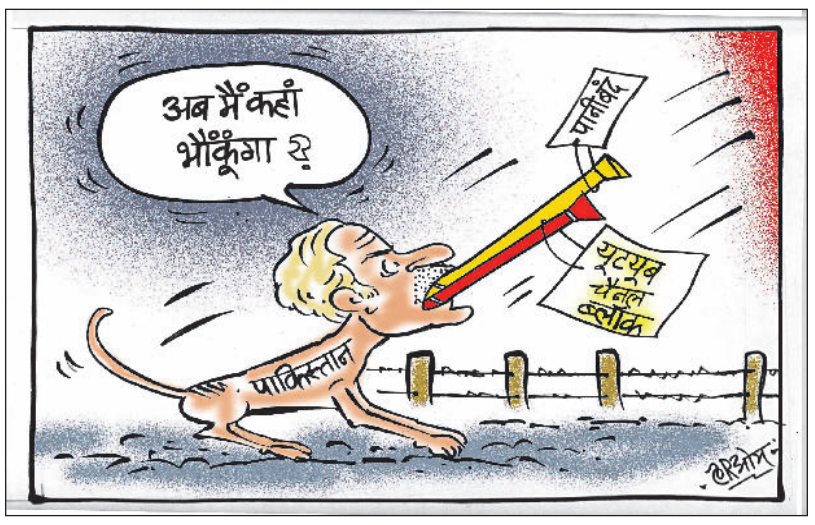

आज की पाती

मलेरिया भगाने के लिए जनजागरण जरूरी

मलेरिया एक प्राचीन लेकिन अब भी प्रासंगिक बीमारी है, जिसने सदियों से मानव सभ्यता को प्रभावित किया है। यह मुख्य रूप से एनाफिलीज नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होती है। जब यह परजीवी मानव शरीर में प्रवेश करता है तो वह यकृत और रक्त कोशिकाओं में पहुंच कर वहां अपनी संख्या बढ़ाता है और शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को क्षतिग्रस्त करता है। लोगों को मलेरिया के खतरों और उससे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। -मोहन साहू

ट्रेंड

अभिव्यक्ति का अधिकार

लोकतंत्र अभिव्यक्ति और संवाद द्वारा परिभाषित होता है। अभिव्यक्ति पर अंकुश लगाने से लोकतंत्र कमजोर होता है। यदि अभिव्यक्ति करने वाला स्वयं को सदैव सही व दूसरों को गलत मानता है, तो अभिव्यक्ति का अधिकार विकृत हो जाता है।

-जगदीप धनखड़, उपराष्ट्रपति

दिल्ली को बदलने का काम

ट्रिपल इंजन वाली भाजपा सरकार दिल्ली को बदलने के लिए मिलकर काम कर रही है। मैं यह वचन देता हूं कि देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थान दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे, और दिल्ली को एक ऐसा भविष्य बनाने के लिए रास्ता तैयार करेंगे जिस पर हम सभी को गर्व होगा।

-धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

प्यारे दोस्तों की देखभाल

हमारे प्यारे दोस्तों के लिए विशेष देखभाल। असम सरकार ने पालतू जानवरों की देखभाल के वास्ते तीन अस्पताल विकसित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई है जो 2025 के अंत तक चालू हो जाएंगे।

- हिमंत विश्व शर्मा, सीएम, असम

प्रधानमंत्री से आग्रह

पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख में, शहीद के दर्जे की उनकी मांग में, मैं साथ खड़ा हूं। प्रधानमंत्री से आग्रह है कि वो इस त्रासदी में जान गंवाने वालों को यह सम्मान दें।

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

पहलगाम हमला : अमेरिकी कश्मीरी हिंदुओं ने कहा- तय हो जवाबदेही

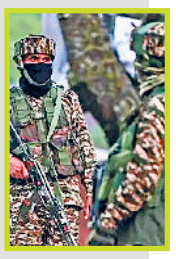

अमेरिका में रह रहे कश्मीरी हिंदू पहलगाम आतंकी हमले के बाद व्यापक जवाबदेही तय करने और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक स्तर पर जागरूकता पैदा किये जाने की मांग कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर में अनंतनाग जिले के पहलगाम में पिछले हफ्ते मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रवासी भारतीयों ने कहा कि 22 अप्रैल को अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस की भारत यात्रा के दौरान हुए हमले ने सुरक्षा तैयारियों में चूक और कश्मीर में अल्पसंख्यक समुदायों के खतरों को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। प्रतिबंधित पाकिस्तानी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक छद्म समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। 'इंडो-अमेरिकन कश्मीर फोरम' (आईएकेएफ) के अंतरराष्ट्रीय समन्वयक डॉ. विजय साजवाल ने दावा किया कि इस हमले को रोका जा सकता था। उन्होंने दावा किया, ''हजारों पर्यटक प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करते हैं, फिर भी हमले के दिन कोई सुरक्षा व्यवस्था नजर नहीं आई। एक उच्च-स्तरीय राजनयिक यात्रा के बावजूद, बुनियादी जोखिम आकलन को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया गया।'' साजवाल ने कहा कि ध्यान अक्सर सीमा पार आतंकवाद पर होता है, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी उन्हें (आतंकवादियों को) ऐसे लोगों से सहयोग मिलता है।

ऑफ बीट

इजरायल की आबादी पहली बार 1 करोड़ के पार

इजरायल की आबादी पहली बार 1 करोड़ के पार हुई है। 1948 के बाद से यह पहला मौका है, जब इजरायल की संख्या 10 .1 मिलियन हुई है। देश की स्थापना के बाद से अब तक यहूदी मुल्क की आबादी में 12 गुना तक इजाफा हो चुका है। इजरायल के जनसांख्यिकी विभाग के अनुसार बीते साल की तुलना में इजरायल की आबादी में 1 लाख 35 हजार यानी 1.4 फीसदी का इजाफा हुआ है। दिलचस्प बात है कि अब भी यहूदियों की आबादी 80 लाख भी नहीं पहुंची है। इजरायल का संघर्ष पड़ोस के फिलिस्तीन, लेबनान, मिस्र जैसे देशों से लंबे समय से रहा है। 1948 में देश की स्थापना के बाद से ही यह संघर्ष चलता रहा है। ऐसे में यहूदियों और पूरे इजरायल की ही आबादी एक करोड़ से कम होना चर्चा का विषय रहा है। अब इजरायल की आबादी तो एक करोड़ के आंकड़े तक पहुंच गई है, लेकिन यहूदियों की संख्या अब भी 80 लाख से नीचे है। आंकड़े के अनुसार इजरायल की आबादी में यहूदियों की संख्या फिलहाल 77 .6 फीसदी ही है। देश में 2 .1 मिलियन यानी करीब 20 फीसदी मुसलमान, ईसाई और अरब हैं। इसके अलावा ढाई लाख लोग यानी 2 .5 फीसदी ऐसे भी हैं, जो किसी भी कैटिगरी में नहीं आते। इनमें विदेशी छात्र, मजदूर और अवैध रूप से वहां पहुंचे प्रवासी शामिल हैं।

डॉ शहनाज खान व साजिद खान ने किया प्रधान पद का कार्यभार ग्रहण

सत्य को परेशान किया जा सकता है लेकिन पराजित नहीं -जाहिदा खान

मरूधर विशेष

संवाददाता सलीम खान कामां - कामां विधानसभा क्षेत्र में कामां पंचायत समिति व पहाड़ी पंचायत समिति में न्यायालय के आदेशों के बाद में शुक्रवार को दोपहर बाद कामां पंचायत समिति का शहनाज खान ने व पहाड़ी में साजिद खान ने प्रधान पद भार ग्रहण किया। पूर्व मंत्री जाहिदा खान ने बताया कि राजस्थान में भाजपा की सरकार आने के बाद में कामां और पहाड़ी के दोनों प्रधानों को निलंबित करवा दिया गया था, जिसके चलते हमने न्यायालय का सहारा लिया जिसकी वजह से आज शुक्रवार को कामा पंचायत समिति में डॉक्टर शहनाज खान को विकास अधिकारी ने पदभार ग्रहण कराया तो वही पहाड़ी में भी साजिद खान को पदवार ग्रहण कराया, पूर्व मंत्री ने कहा कि सत्य

पहाड़ी में पदवार ग्रहण करते साजिद प्रधान

कामां में पदभार ग्रहण करती डॉक्टर शहनाज खान प्रधान

कुछ समय के लिए परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता पूर्व मंत्री जाहिदा खान की मौजूदगी में कामां पंचायत समिति में डॉक्टर शहनाज खान को विकास अधिकारी ने पदवार ग्रहण कराया , मौके पर सभी लोगों ने प्रधान शहनाज खान व पूर्व मंत्री जाहिदा खान को माला पहनाकर के उनका स्वागत सम्मान किया। समर्थकों ने पंचायत समिति पर आतिशबाजी व लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की और प्रधान शहनाज़ खान व पूर्व मंत्री जाहिदा खान को शुभकामनाएं दी। सैकड़ों समर्थकों ने फोन पर व सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं दी।

पूर्व मंत्री जाहिदा खान ने खुशी का इजहार करते हुए पंचायत समिति में अपने हाथों से मौके पर मौजूद लोगों को लड्डू बांटे, इस मौके पर श्रीचंद गोड़ जिला उपाध्यक्ष , मिसलू सरपंच, कांग्रेस,ब्लॉक अध्यक्ष हाजी फज्जर खान,शरीफ ठेकेदार टायरा, रामू यादव धिलावटी,जावेद टायरा, कल्लू लाडलाका,

सांसद प्रतिनिधि चंदन सिंह जाटव,जनीश कामां, आदि सैकड़ो लोग मौजूद थे

पुलिस ने नाबालिग के अपरहण कर दुष्कर्म के पांच हजार के ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

मरूधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी) बहतुकला थाना पुलिस ने एक नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले प्रकरण में फरार चल रहे और 5000 रूपये के एक ईनामी आरोपी गिरफ्तार कर किया। थाना प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि थानाधिकारी संजय शर्मा के नेतृत्व मे कार्यवाही करते हुये गुरूवार को आरोपी मोनू पुत्र रामलाल जाति कुमावत उम्र 20 साल निवासी खुडियाना थाना बहतुकलां को खुडियाना बस स्टैण्ड से दस्तयाब कर बाद अनुसंधान गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी संजय तिवाड़ी ने बताया कि नाबालिग के पिता ने 30 मार्च को बहतुकला थाने में मामला दर्ज कराया कि मेरी पुत्री 28 मार्च को सुबह घर से मत्स्य कॉलेज बडौदा मेव पेपर देने के लिए गई थी जो शाम तक वापिस घर नहीं आई। जिसके संबध मे कॉलेज व

अन्य स्थानो पर मालूम किया तो पता चला की मोनू कुमावत बहला फुसला कर अपहरण कर ले गया। पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए 3 मई को अपहर्ता मोनू कुमावत पुत्र रामलाल जाति कुमावत निवासी खुडियाना को पोक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी घटना के समय से ही फरार चल रहा था जिस पर 5000 रुपये का ईनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस टीम में संजय कुमार उ.नि. थानाधिकारी थाना बहतुकलां, ब्रजपाल कानि. (विशेष भूमिका), नरेन्द्र सिह कानि, संग्राम सिह कानि., रविन्द्र कानि, हीरालाल चालक मौजूद रहे।

बूंदी जिले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश कार्यकारणी का स्वागत

मरूधर विशेष

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उपशाखा के. पाटन एवं कापरेन की बैठक कापरेन में कबीरपूरा के बालाजी में हुई बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नन्दकिशोर बैरागी ने कीकार्यक्रम में पहुंचे नवनिर्वाचित प्रांतीय सभा अध्यक्ष राम प्रताप मीणा, प्रान्तीय महामंत्री गोपाल मीणा, जिलाध्यक्ष नंदकिशोर बैरागी का संगठन के कार्यकर्ताओं ने माला व साफा बंधवाकर अभिनंदन किया उपशाखा अध्यक्ष कापरेन सत्यनारायण मीणा ने बताया कि संगठन की बैठक में शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा कर समाधान हेतु उचित रणनीति बनाने पर विचार विमर्श हुआ। प्रांतीय सभाध्यक्ष राम प्रताप मीणा ने सदस्यता अभियान को संगठन का आधार बताते हुए 5 मई से बूंदी जिले की समस्त उप-शाखाओं में सदस्यता अभियान ?शुरू करवाने का आवाह्न किया उपशाखा के पाटन अध्यक्ष हीरालाल गोचर ने संगठन के पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं को संगठन और शिक्षक हित में सामंजस्यता के साथ काम करने पर

जोर दिया। प्रांतीय महामंत्री गोपाल मीणा ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया की प्रदेश के शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं का संकलन का कार्य प्रदेश स्तर पर किया जा रहा है। शीघ्र ही प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल उचित रणनीति बनाकर सरकार और शिक्षा विभाग के समक्ष समस्याओं को रखेगा तथा समाधान होने तक संघर्ष करेगा।कार्यक्रम का संचालन प्रदेश संरक्षक दशरथ सिंह सोलंकी ने किया। कार्यक्रम में कोटा संभाग प्रभारी सुखलाल मीना,पूर्व उप-शाखा अध्यक्ष प्रताप सिंह हाडा, घनश्याम मीणा, सुरेश कुमार मीणा, बालचंद सांमरिया, बृजमोहन मीणा, शंकर लाल रायका,रामराज,ओमप्रकाश, संजय, नितेश, कैलाश,छोटूलाल मालव, मुस्ताक, पुरुषोतम,रामप्रकाश,सुखदेव, प्रमोद, त्रिलोक, नंदकिशोर, कमल,प्रेमशंकार, राकेश चितोडा, बद्रीलाल,रघुवीर, रामरतन, किशन, हेमराज, विकाश, नीरज,महावीर, बालूलाल,आदि पदाधिकारीएवं सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा चलाए गए सशक्त नारी समृद्ध गांव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मरूधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। ब्लॉक में भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा चलाए गए सशक्त नारी समृद्ध गांव कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य हम सब मिलकर महिलाओं को सशक्त बनाना है और सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करवाना है एवं इस कार्यक्रम में कठूमर से पीएनबी बैंक मैनेजर लेखराज चौधरी, ग्रामीण बैंक सब दमन शर्मा, कठूमर थाने से रीना चौधरी , रामेश्वर गुर्जर, विश्वेंद्र गुर्जर सीएलएफ से प्रिया चौधरी सीएलएफ प्रियंका शर्मा मनमोहन शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर कठूमर ब्लॉक से फील्ड आफिस प्रिया चौधरी के द्वारा इस सशक्त नारी समृद्ध गांव कार्यक्रम को लेकर सभी ग्रामीण

महिलाओं को बैंकिंग खाता से संबंधित एवं डिजिटल लेनदेन एवं ऑनलाइन फ्रॉड के बारे में और आमदनी,खर्च, बचत, निवेश, वित्तीय योजनाएं एंव बीमा पैसा का सही जगह पर निवेश चक्रवर्ती ब्याज की शक्ति ,वित्तीय योजनाएं एवं फ्रॉड से बचने के नए-नए तरीके एवं जन कल्याणकारी योजनाएं -जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना ,सुकन्या समृद्धि योजना अटल पेंशन आदि योजनाओं के बारे में कैंप में उपस्थित सभी ग्रामीण महिलाओं को विस्तार से जानकारी दी गई।

इसी के साथ कृसिल फाउंडेशन एवं ग्रामीण विकास ट्रस्ट के में प्रगति प्रोग्राम से फील्ड कोऑर्डिनेटर मगना कुमारी द्वारा महिलाओं को वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता एवं डिजिटल लेनदेन से संबंधित जानकारी दी गई एवं कैंप में उपस्थित सभी अतिथिगण राजीविका से ब्लॉक परियोजना को साईबर क्राइम फूड ऑफिस की जानकारी कठूमर थाना से रीना चौधरी पुष्पेंद्र गुर्जर रामेश्वर गुर्जर के द्वारा भी सभी महिलाओं को बचत एवं फ्रॉड के बारे में जानकारी दी गई।

सुमित्रा सैनी, ममता राठौर ,कोमल जी ललिता, कांता, राजकुमारी , मीना , सोनम सुनीता, हेमलता

एवं सीएफएल मनी वाइज प्रोग्राम से फील्ड ऑफिसर प्रिया चौधरी सहित 125 ग्रामीण महिलाएं शिविर में उपस्थित रहे।

जल सेवा की दिशा में रोटरी क्लब की एक सराहनीय पहल -राउमावि (बालक) कुशलगढ़ में स्थाई जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

कुशलगढ़: रोटरी क्लब कुशलगढ़ एवं राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुशलगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में आज एक अभिनव पहल के तहत "जल मंदिर" स्थायी प्याऊ का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है,विशेषकर इन भीषण गर्मियों में जब जल संकट आम समस्या बनता जा रहा है। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पदाधिकारी एजी पथिक मेहता अध्यक्ष अर्पण चोपड़ा सचिव यश खाब्या रौनक सेठ मनोहर कावड़िया अंकित कावड़िया , राजेंद्र गादिया, फखरुद्दीन कपाड़िया एवं विद्यालय के प्राचार्य भीमजी सुरावत शिक्षक गण अजय निगम योगेश दोसी एवं अन्य अध्यापक गण,छात्र-

छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा अर्चना एवं फीता काटकर किया गया। वक्ताओं में सचिव यश खाब्या पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गादिया एजी पथिक मेहता सह सचिव रौनक सेठ आदि ने जल सेवा को श्रेष्ठतम सेवा बताते हुए ऐसे जनहित कार्यों की निरंतरता पर बल दिया। रोटरी क्लब कुशलगढ़ द्वारा यह प्याऊ एक स्थायी संरचना के रूप में तैयार की गई है, जिसमें स्वच्छ एवं शीतल जल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। यह 'जल मंदिर' न केवल प्यास बुझाने का स्थान है, बल्कि जल संरक्षण एवं सामाजिक सहयोग का प्रतीक भी है। इस अवसर पर रोटरी क्लब सचिव यश खाबिया ने कहा कि क्लब आगे भी सामाजिक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए सदैव तत्पर रहेगा। विद्यालय प्रशासन ने रोटरी क्लब के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और छात्रों से जल संरक्षण की सीख ग्रहण करने का आह्वान किया।

राजस्थान सरकार के वन एवम पर्यावरण राज्य मंत्री ने मंदारेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़ राजस्थान सरकार के वन एवम पर्यावरण राज्य मंत्री ने आज मंदारेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। विप्र फाउंडेशन के लिमथान ग्राम मे आयोजित 101 कुंडीय विष्णु यज्ञ मे भाग लेने एक दिवसीय दोरे पर आए संजय शर्मा ने मंदारेश्वर महादेव मंदिर पर विप्र फाउंडेशन द्वारा संचालित अखंड अन्न क्षेत्र का अवलोकन कर सनातन समाज के लिए की जा रही भोजन व्यवस्था की प्रसंशा भी की। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रिय सरक्षक धर्मनारायण जोशी,पूर्व मंत्री धनसिंह रावत, भाजपा जिला

अध्यक्ष पूंजी लाल गायरी,विप्र फ़ाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पालीवाल, प्रदेश महामंत्री योगेश जोशी, राजेश पालीवाल उदयपुर, भवर लाल शर्मा उदयपुर, एडवोकेट दीपक जोशी, दिन दयाल शर्मा, मयंक जैन साथ उपस्थित थे।

11वे सामुहिक विवाह की समीक्षा बैठक 7 मई को!

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ा: समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाज सामुहिक विवाह समिति के संत एच आर पालीवाल के सानिध्य मे 11 वा सामुहिक विवाह सफलता से 30 अप्रैल को संपन्न हुआ जिसमें 13 जोड़े विवाह सूत्र मे बंधे उसकी समीक्षा बैठक 7 मई बुधवार को उदयपुर मे प्रातः 10 बजे से होटल परम्परा, चित्र कूट नगर के कॉन्फ्रेंस होल मे रखी गई है।

समिति के उपाध्यक्ष राम लाल नकवाल ने बताया कि 11 वे सामुहिक विवाह के आय-व्यय व बैंक बैलेंस की जानकारी के साथ समय का सहयोग करने वाले कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जायेगा। उक्त समीक्षा बैठक में एक समय का चाय नास्ता व दोपहर एक बजे का लंच डिनर रखा गया है। बैठक में भाग लेने वाले कार्यकर्ता व समाज सेवी बंधु उक्त बैठक मे अपनी उपस्थिति से समिति को अवगत करें ताकि उस हिसाब से व्यवस्था की जा सके। उक्त जानकारी समिति के बांसवाड़ा प्रभारी नवनीत त्रिवेदी ने दी।राजस्थान सरकार के वन एवम पर्यावरण राज्य मंत्री ने मंदारेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया

हिट वेव को लेकर सज्जनगढ़ उपखण्ड अधिकारी एवं तहसीलदार ने सज्जनगढ़ सीएचसी एवं ताम्बेसरा पीएचसी का किया निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाए चाक चौबंद रखने के दिये निर्देश

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा

सज्जनगढ़: बढ़ते तापमान और क्षेत्र में लू (हीट वेव) की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। आज उपखण्ड अधिकारी ऋषिराज कपिल एवं तहसीलदार हरीश सोनी ने सज्जनगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं ताम्बेसरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर गर्मी से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा किया और गर्मी से संबंधित आपात स्थिति के लिए की गई व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली। विशेष रूप से उन्होंने यह देखा कि पर्याप्त मात्रा में ओआरएस घोल, जीवन रक्षक दवाएं, थर्मामीटर, ब्लड प्रेशर मशीन, पंखे, कूलर, पेयजल और प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाओ को जांचा एवं व्यवस्थाए सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिये। ऋषिराज कपिल ने कहा की हीट वेव से बचाव के लिए सामूहिक जागरूकता जरूरी है। प्रशासन हर स्तर पर तैयार है, लेकिन जनता का सहयोग और जागरूकता सबसे अधिक प्रभावी होगी। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि जरूरतमंदों को समय पर इलाज और राहत मिले। तहसीलदार हरीश सोनी ने निर्देश दिए कि

स्वास्थ्य केंद्र में एक विशेष 'हीट वेव सहायता कक्ष' (Heatwave Help Desk) बनाया जाए, जहाँ लू से प्रभावित लोगों का प्राथमिक इलाज तुरंत हो सके। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि किसी आपात स्थिति के लिए एंबुलेंस को हर समय तैयार रखा जाए और सभी कर्मचारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए जाएं। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने अधिकारियों को आश्वस्त किया कि सभी जरूरी दवाएं और चिकित्सा उपकरण स्टॉक में हैं, और चिकित्सकों व नर्सिंग स्टाफ की ड्यूटी शिफ्टों में तय कर दी गई है ताकि 24 घंटे सेवाएं दी जा सकें।अधिकारियों ने यह भी कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से आमजन को लू से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। इसके लिए जन जागरूकता भी बहुत आवश्यक है। प्रशासन की अपील: दोपहर 12 से 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, तरल पदार्थ लें। हल्के, ढीले और सूती कपड़े पहनें। खुले स्थान पर सीधे धूप में खड़े न हों। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। इस मौके पर डॉ मुकेश दातला डॉ मुकेश होम्योपैथी विभाग डॉ संदीप आयुर्वेद विभाग सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

नर्मदा लाइन बंद होने से तोड़मी के लोग परेशान

जालोर

जिले के तोड़मी गांव के लोग एक साल से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। नर्मदा पाइपलाइन से पानी की आपूर्ति बंद होने के कारण लोगों को खारा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के कई हिस्सों में नर्मदा लाइन से अवैध कनेक्शन लगे होने के कारण पूरे गांव में पानी की सप्लाई ठप हो गई है। नर्मदा परियोजना के तहत अधिकतर गांवों में जलापूर्ति लड़ाखड़ा गई है, लेकिन तोड़मी की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। महिलाओं को सिर पर मटके दूर-दराज के बेरों (कुएँ) से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे उनकी दिनचर्या और कठिन हो गई है वहीं पशुपालकों का कहना है कि कई महीनों से पानी नहीं आने के कारण उनके मवेशियों को पीने के लिए साफ पानी नहीं मिल पा रहा, जिससे पशुओं की सेहत भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रशासन और जल विभाग से कई बार शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका आरोप है कि अवैध कनेक्शन हटाने और पाइपलाइन की मरम्मत के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए जा रहे। जिससे ग्रामीणों ने पानी चोरी करने वाले व अवैध कनेक्शनों को हटाकर दोषियों पर कार्रवाई करने व गावों में नियमित पानी सप्लाई की मांग की।

करोड़ों की सरकारी जमीन पर रातों-रात कब्जा

टोंक

मालपुरा नगर पालिका क्षेत्र में सरकारी जमीनों पर हो रहे कब्जों की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सदरपुरा रोड स्थित मॉडल स्कूल के सामने पंचायत भवन के पास करोड़ों की 15- 20 बीघा सरकारी जमीन पर गुरुवार रात अज्ञात दबंगों ने सीमेंट के खंभे गाढ़कर तारबंदी कर अतिक्रमण कर लिया। इसके बावजूद अभी तक इस मामले में सख्त कार्रवाई नहीं की गई। मामला बढ़ता देख शुक्रवार को प्रशासन की ओर से कुछ खंभों को लोडर की मदद से गिरा दिया गया है, लेकिन अभी तक अतिक्रमियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार यह जमीन पहले बृज लाल नगर ग्राम पंचायत में थी, लेकिन कुछ समय पहले ही यह पंचायत मालपुरा नगर पालिका में शामिल हो गई। उसके बाद दबंगों की नजर इस खाली जमीन पर पड़ी और रातों-रात कब्जा कर लिया। ग्रामीणों कालू, प्रहलाद, जीतराम, राधा देवी, गोपाल, गणेश गुर्जर सहित अन्य ने बताया कि जिस जगह कभी मवेशी चरते थे, वहां अब रातों-रात तारबंदी कर अतिक्रमण कर लिया है। लोगों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाकर अतिक्रमण हटाने में नाकाम रहे लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर लोगों ने शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष सोनिया सोनी को ज्ञापन दिया। इसको लेकर पालिकाध्यक्ष ने तुरंत प्रभाव से कार्यवाहक ई ओ मालपुरा रूठरूअमित चौधरी को अतिक्रमण हटा कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उसके बाद पालिका की टीम मौके पर पहुंची और लोडर की मदद से कुछ खंभे गिरा दिए , लेकिन बीच में ही अतिक्रमण हटाने वाली टीम वापस लौट गई। इसको लेकर शहर में भी कई तरह की चर्चा हुई। किसी ने कहा कि दबंगों के जान पहचान बड़े स्तर तक है । किसी बड़े नेता से प्रशासन पर दबाव डलवा दिया होगा।

दम्पति ने सरकारी अध्यापक को ब्लैकमेल कर मागे 15 लाख

श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर जिले में पुरानी आबादी थाना इलाके में एक सरकारी अध्यापक को ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ब्लैकमेल करने वाले आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुरानी आबादी थाना इलाका निवासी एक अध्यापक ने पुरानी आबादी थाने में एक महिला व उसके पति के खिलाफ गुरुवार को ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज करवाया था। थाना प्रभारी ज्योति नायक ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आज इमरती उर्फ भावना पत्नी जालूराम उम्र 35 साल निवासी वार्ड नं 10 पुरानी आबादी व जालूराम पुत्र बिजनाराम उम्र 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक पति-पत्नी पुरानी आबादी कुंज विहार में किराए के मकान पर रहते हैं। वहीं आरोपी जालूराम बॉर्डर होमगार्ड में भी तैनात था, लेकिन पिछले कुछ सालों से वह रंग रोगन का कार्य करता है। पत्नी इमरती घरेलू कार्य करती है। जानकारी के मुताबिक आरोपी पति-पत्नी ने अध्यापक को अपने घर बुलाकर उसके फोटो-वीडियो बना लिए और फिर झूठा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की मांग करने लगे। अध्यापक ने आरोपियों के दबाब में आकर 20000 रुपए आरोपियों को फोन पे भी कर दिए, लेकिन उसके बाद आरोपियों ने 15 लाख रुपए की मांग कर डाली जिस पर अध्यापक ने पुरानी आबादी थाना में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुरानी आबादी थाना में एक सरकारी अध्यापक ने दम्पति के खिलाफ ब्लैकमेल कर 15 लाख रुपए की मांग करने का मामला दर्ज करवाया था जिस पर कार्यवाही करते हुए आरोपी पति पत्नी को गिरफ्तार किया है।

कुर्सी को लेकर बैठक में चले लात-घूंसे, सरपंच संघ अध्यक्ष और उप-प्रधान भिड़े, एक का सिर फूटा

नागौर

नागौर की खींवसर पंचायत समिति की साधारण सभा में कुर्सी को लेकर विवाद हो गया। उप प्रधान राम सिंह बगड़िया और सरपंच संघ अध्यक्ष जगदीश बिड़ियासर के बीच लात-घूंसे चले। मारपीट में उप-प्रधान का सिर फूट गया। मारपीट का वीडियो भी सामने आया है। सरपंच संघ अध्यक्ष जगदीश बिड़ियासर, खींवसर प्रधान सीमा बिड़ियासर के पति है। प्रधान सीमा बिड़ियासर ने बताया कि शुक्रवार सुबह पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक की शुरुआत में ही उप-प्रधान ने अभद्रता की। कुर्सी को लेकर उप-प्रधान के अपशब्द बोलने पर झगड़ा हुआ।

उप-प्रधान बोले- धक्का देकर नीचे गिरा दिया

उप-प्रधान राम सिंह बगड़िया ने कहा- दोपहर साढ़े 12 बजे बैठक में सभी सदस्य थे। तभी

प्रधान और प्रधान के पति का ड्राइवर बैठक में पहुंचे, सुरक्षागार्ड ने ड्राइवर को बाहर निकाल दिया। तभी 4-5 कुर्सी छोड़कर बैठे प्रधान के पति जगदीश बिड़ियासर अचानक उठकर आए और धक्का देकर मुझे नीचे गिरा दिया,चाकू से हमला कर दिया, जिससे सिर में चोट आई है। बैठक कक्ष में खींवसर थाना पुलिस भी मौजूद थी। बगड़िया ने कहा- इससे पहले भी साल 2021 में एक वीसी के दौरान हमला किया गया था, जिसका मामला खींवसर थाने में दर्ज है।

उप प्रधान ने मुझसे अभद्र भाषा में बात की

प्रधान सीमा बिड़ियासर ने कहा- आज पंचायत समिति की साधारण सभा की मीटिंग थी। वहां प्रोटोकॉल के हिसाब से एमएलए, एमपी और एसडीएम सबकी चेयर लगी हुई थी। मैं जैसे ही मीटिंग में जाकर बैठी, वहां उप प्रधान राम सिंह बगड़िया आकर एमएलए की सीट पर बैठ गए और मुझे अभद्र भाषा में बोलने लगा। हमने उसे टोका कि चेयर एमएलए की है तो विवाद बढ़ गया। प्रधान ने कहा- ये जब भी साधारण सभा में आता है, हमेशा दूसरों की चेयर पर बैठने की कोशिश करता है। ये आपराधिक प्रवृत्ति का आदमी है। आज जैसे ही ये हंगामा हुआ तो बाहर निकलते वक्त बोला कि आपका और आपके पति का मैं दो दिन में मर्डर कर दूंगा।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोशल मीडिया पर? पोस्ट की है। बेनीवाल ने लिखा- पुलिस की मौजूदगी में उप-प्रधान पर हमला करना नागौर पुलिस और जिले के पुलिस कप्तान की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान है। बेनीवाल ने कहा- से निर्वाचित उप-प्रधान रामसिंह बगड़िया पर एक हिस्ट्रीशीटर सरपंच और उसके गुंडों की ओर से जो जानलेवा हमला किया गया वो निंदनीय है। उन्होंने कहा- मैं पुलिस-प्रशासन को कहना चाहता हूं कि SP को कमजोर समझने की भूल नहीं करें, यदि समय रहते उप -प्रधान पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो खींवसर थाने और SP ऑफिस का घेराव किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी नागौर की होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस मामले में संज्ञान लें।

सीकर में 10-10 हजार के 4 इनामी बदमाश गिरफ्तारः ठिकाने बदलकर काट रहे थे फरारी

सीकर

सीकर जिले की दादिया थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरके ग्रुप 0056 के सहयोगी ग्रुप 5600 के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी 10-10 हजार के इनामी बदमाश हैं। जो अपने ठिकाने बदलकर रह रहे थे। जिसके कारण वे पुलिस हिरासत से बाहर थे। जानकारी के अनुसार, बदमाशों ने 25 नवंबर 2024 को एक शादी समारोह से लौट रहे श्रवण, अशोक कुमार व सुरेश मुवाल निवासी भादवासी (सीकर) पर जानलेवा हमला कर 8.85 लाख रुपए की लूट की थी। घटना लक्ष्मण का बास में सिकर-झुंझुनूं सड़क मार्ग पर टीवीएस शोरूम के पास रात करीब 8.15 बजे हुई थी। हमलावरों ने सुरेश मुवाल की फॉर्च्यूनर गाड़ी को घेरकर तोड़फोड़ की और उसे गंभीर रूप से घायल कर सड़क किनारे खाई में फेंक दिया था। सुरेश के साथी अशोक कुमार ने भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन हमलावरों ने सुरेश पर पिस्टल से फायरिंग की और उसे जबरन अपनी गाड़ी में डालकर किडनैप कर लिया। कुछ दूरी पर ले जाकर बदमाशों ने उसे लोहे के धारदार हथियारों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमलावरों ने सुरेश के दोनों हाथ तोड़ दिए और उसे मृत समझकर फरार हो गए। बदमाशों ने धमकी दी कि सुरेश के भाई श्रवण और उसके परिवार को भी जान से मार देंगे। दादिया थाना पुलिस ने सुरेश मुवाल की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और साइबर सेल की मदद से चार

आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान संदीप कुमार (30), विकास बाटड़ (27), अनिल ढाका उर्फ सोनू (21), और रोहित कुमार (28) के रूप में हुई है।आरोपी झुंझुनूं और हनुमानगढ़ जिले के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, हरियाणा, गुड़गांव और दिल्ली में छापेमारी की। पुलिस ने इससे पहले 10 हजार के इनामी बदमाश मनोज मेघवाल को 12 अप्रैल और 25 हजार के इनामी मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी रविंद्र कटेवा को 28 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था। एक अन्य आरोपी महेंद्र कुमार ढींवा को 27 दिसंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने घटना में शामिल 20 बोलेरो कैंपर गाड़ियों को भी जब्त किया। मास्टरमाइंड मुख्य आरोपी रविंद्र कटेवा को 28 अप्रैल को पुलिस ने पकड़ लिया। कटेवा व उसके साथी रोजाना गाड़ियों की नम्बर प्लेट बदलकर पुलिस को चकमा देते थे और भागे जाते थे। आरोपी की गिरफ्तारी में साइबर सेल के राकेश,महेश और उद्योग नगर पुलिस थाने के कांस्टेबल बलबीर की अहम भूमिका रही।

चलती कार में आया हार्ट अटैक, मौत, राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस

भीलवाड़ा

शादी समारोह में चाय-कॉफी की स्टाल लगाने वाले एक व्यक्ति की चलती कार में मौत हो गई। मौत ऐसी कि उसे संभलने का मौका तक नहीं मिला। राहगीरों ने पुलिस और उसके परिजनों को सूचना दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है । घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में भीलवाड़ा-हरणी महादेव बायपास की है। पुलिस के अनुसार बापू नगर निवासी 54 साल का रमेश असनानी पुत्र नत्थू मल असनानी को चलती वैन में अटैक आ गया, जिससे उनकी कार असंतुलित होकर सड़क से करीब 100 फीट रॉन्ग साइड में नीचे उतर गई। कार गिरती देख राहगीर दौड़कर पास गए तब तक रमेश की मौत हो चुकी थी। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत होना सामने आया है। मंगरोप निवासी लोकेश खटीक ने कार में मोबाइल पड़ा देखा। जिसमें मृतक ने लास्ट कॉल छोटे भाई को की थी। लोकेश ने उस नंबर पर फोन लगाकर परिजनों को हादसे की सूचना दी। परिजनों के साथ मृतक का बेटा मौके पर पहुंचा। उन्होंने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे हरीश मनवानी ने बताया कि मृतक रमेश शादी समारोह में चाय कॉफी की स्टॉल लगाता था। वह पिछले 28 सालों से यह व्यवसाय कर रहा था। गुरुवार रात को रमेश ने एक होटल में शादी समारोह चाय-कॉफी की स्टॉल लगाई थी। वह दोपहर करीब 12.30 बजे अपना हिसाब करवाकर वैन में सामान लादकर बापूनगर स्थित अपने घर लौट रहा था। इस दौरान यह हादसा हुआ। परिजनों ने पुलिस कार्रवाई से मना कर दिया और बॉडी लेकर घर चले गए।

व्यापारी से लूट के 3 आरोपियों का जुलूस निकाला, गोली मारकर छीन ले गए थे गहनों से भरा बैग

बाड़ी

धौलपुर में सर्राफा व्यापारी को गोली मारकर लूट करने मामले में पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर शहर में जुलूस निकाला। मामला जिले की बाड़ी कोतवाली का है। पकड़े गए तीन आरोपियों में एक बीजेपी से जुड़ा नेता बताया जा रहा है। 28 अप्रैल की रात 8 बजे कोतवाली क्षेत्र में रेलवे फाटक के पास बाड़ी के सर्राफा व्यापारी अनिल बंसल से मारपीट के बाद पैर में गोली मारकर लगभग 600 ग्राम सोने के गहने लूट लिए थे। बाड़ी एडिशनल एसपी कमल कुमार जांगिड़ ने बताया-28 अप्रैल की रात अनिल बंसल (42) लुहार बाजार स्थित अपनी दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। रेलवे फाटक के पास दो बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया और गहनों और नकदी से भरा थैला छीनने की कोशिश की। जब व्यापारी ने थैला नहीं छोड़ा तो बदमाशों ने उनके दाएं पैर की जांघ में गोली मार दी। गोली हड्डी में फंस गई, जिससे घायल अनिल बांसल को तत्काल बाड़ी से धौलपुर और फिर ग्वालियर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बदमाशों ने व्यापारी

से लगभग 600 ग्राम सोने के गहने लूट लिए थे। घटना के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर निधारा गांव (बाड़ी सदर) के शीशराम गुर्जर, तकीपुर गांव (कंचनपुर) से उसके जीजा रामनाथ गुर्जर और घेसुआ (कंचनपुर) से उनके साथी सचिन गुर्जर को गिरफ्तार किया है। मामले का मुख्य आरोपी निधारा निवासी हंसा उर्फ हंसराम गुर्जर अभी मौके से फरार है। थाना अधिकारी अमित शर्मा ने बताया-तीनों आरोपियों को पूछताछ के लिए चार के रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों का शहर के मुख्य बाजार से होकर जुलूस निकाला गया। पुलिस ने लूटी गई नकदी और सोने के गहने भी बरामद कर लिए हैं। सूत्रों के अनुसार आरोपी रामनाथ गुर्जर बीजेपी से जुड़ा बताया जा रहा है। वह कंचनपुर बीजेपी मंडल में किसान मोर्चा का अध्यक्ष रह चुका है। इसे लेकर धौलपुर बीजेपी जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने कहा- विधानसभा चुनाव से लेकर अब तक में बीजेपी का जिला अध्यक्ष हूं। रामनाथ गुर्जर नाम का कोई व्यक्ति बीजेपी में किसी भी मंडल में किसी भी पद पर नहीं है। अपराधियों और बदमाशों के लिए भारतीय जनता पार्टी में कोई स्थान नहीं है। बाड़ी में व्यापारी के साथ जो घटना हुई उसमें भी सीएम भजनलाल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढंम ने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे कि वारदात का खुलासा जल्द से जल्द किया जाए, जो भी दोषी उन्हें बक्शा नहीं जाए।

कैबिन जलाने वाला गिरफ्तार, 55 हजार का हुआ नुकसान

जैसलमेर

जैसलमेर के तोताराम की ढाणी में एक कैबिन में आग लगाने वाले को शहर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी लाखाराम भील (23) ने 28 अप्रैल को प्रवीण कुमार माहेश्वरी के किराना की कैबिन में आग लगाकर करीब 55 हजार का नुकसान किया था। शहर कोतवाली पुलिस प्रभारी प्रेमदान रतनू ने बताया कि आरोपी लाखाराम ने पुरानी रंजिश के चलते कैबिन जलाई थी जिससे कैबिन में रखा सामान और करीब 20 हजार रुपए जल गए थे। आरोपी लाखाराम को कोर्ट में पेश किया जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया। शहर कोतवाल प्रेम दान ने बताया- 29 अप्रैल को प्रवीण कुमार पुत्र दीपचंद महेश्वरी निवासी बबर मगरा, जैसलमेर ने पुलिस थाना कोतवाली जैसलमेर में आगजनी की शिकायत दी। उसने बताया कि कि मेरी दुकान (केबिन) तोताराम की ढाणी में है। जिसको 28 अप्रैल की रात को लाखाराम भील निवासी तोताराम की ढाणी द्वारा आग के हवाले कर दिया गया। जिससे मेरी दुकान में रखे 20 हजार रुपए व 35 हजार रुपए का सामान और दुकान (केबिन) जलकर राख हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक, जैसलमेर सुधीर चौधरी के आदेशानुसार कोतवाली थाना प्रभारी प्रेमदान के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस टीम ने लाखाराम की तलाश की और तकनीकी मदद व मुखबिरों की सहायता से लाखाराम भील को पूछताछ कर गिरफ्तार किया।

अजमेर में बंद संदूक में मिली 2 बच्चों की लाश

अजमेर

अजमेर में लोहे के संदूक में बंद हो जाने से 2 मासूम भाइयों की दम घुटने से मौत हो गई। हालांकि बच्चों की मां ने इसे हादसा नहीं, साजिश बताया है। मां का आरोप है कि खेत और मकान के लालच में जेठ व अन्य रिश्तेदारों ने बच्चों की हत्या कर दी। मां ने एएसपी को शिकायत देकर जांच की मांग की है। मामला पीसांगन के नाथूथाला इलाके में गुरुवार शाम करीब 6 बजे का है। नाथूथाला निवासी लाडली खातून शाम को काम से घर लौटी तो उसके बेटे साबिर (6) और समीर (4) संदूक में बंद पड़े मिले। दोनों को पीसांगन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप

दिए। लाडली ने शुक्रवार को एएसपी ग्रामीण दीपक कुमार को शिकायत सौंपी। उसने बताया कि वह सदमे से बेसुध हो गई थी। शिकायत में उसने जेठ सहित अन्य रिश्तेदारों पर दोनों बच्चों की हत्या का आरोप लगाया है। लाडली खातून का आरोप है कि गुरुवार सुबह जब मैं मजदूरी पर गई तो घर के बाहर जाली के गेट को रस्सी से चार गांठ बांधकर गई थी। जब शाम करीब 6 बजे लौटी तो गेट पर एक ही गांठ थी। जिस संदूक में लाश मिली, उसकी कुंदी बाहर से बंद थी, जिसे खोलने में मुझे काफी मेहनत करनी पड़ी। मां का कहना है कि संदूक में दोनों बच्चे आराम से लेटे हुए थे। जबकि उनका दम घुटता तो वे बेचैन होते और कुछ प्रयास करते। ऐसे में वे आराम से लेट नहीं सकते हैं। यह हत्या साजिश के तहत बाहर की गई। फिर उन्हें संदूक में लेटाकर बाहर से कुंदी लगा दी गई। मां लाडली खातून का कहना है कि मैं विधवा सिंगल मदर हूं। करीब 4 साल पहले पति की मौत के बाद बिहार चली गई थी। वहां गंभीर बीमार हो गई। इलाज पर करीब तीन लाख रुपए से ज्यादा खर्च हुआ। उसके बाद दिल्ली मजदूरी करने गई। वहां सिलाई कर जीवन यापन किया। इस दौरान रिश्तेदारों ने मेरी दूसरी शादी की अफवाह फैलाई और खेत व मकान पर कब्जा करने की योजना बनाई। जब मैं गांव लौटी तो मुझे खेत और मकान नहीं दिया। लेकिन, गांव वालों ने दर्द को समझा और मुझे अपना हक दिलवाया। खेत और मकान को लेकर जेठ व अन्य रिश्तेदार रंजिश रखते थे। उन्होंने मेरे बच्चों की हत्या कर दी ताकि मैं यहां से चली जाऊं। अब मुझे धन-दौलत नहीं चाहिए। बस, बच्चों के हत्यारों को सजा होनी चाहिए।

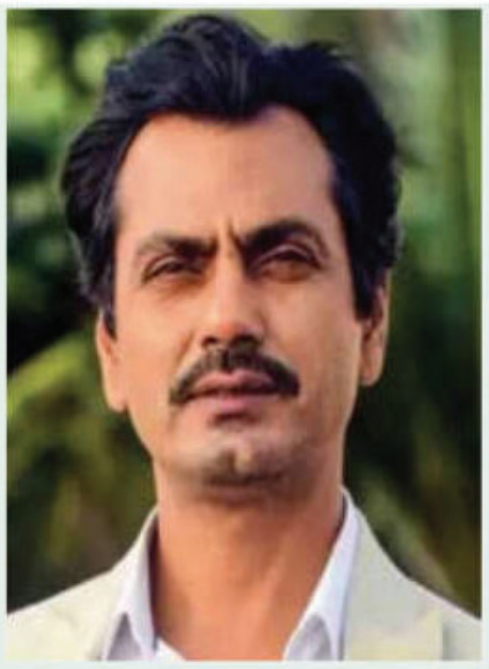

नवाजुद्दीन की अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अलग बनाती है

बॉलीवुड इंडस्ट्री के सबसे बहुमुखी और प्रभावशाली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी चाहे वह किसी भी तरह की भूमिका निभा रहे हों, उन्होंने हमेशा अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज किया है। उनका हर किरदार सहजता से दिल को छूने वाला होता है और वह हर फिल्म में खुद को नए रूप में पेश करते हैं। नवाजुद्दीन का अभिनय इतना वास्तविक होता है कि दर्शक उन्हें स्क्रीन पर अभिनय नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन में जीने की तरह महसूस करते हैं। उनकी अदाकारी में ईमानदारी और स्थिरता है, जो उन्हें अन्य अभिनेताओं से अलग बनाती है।
नवाजुद्दीन ने अपनी कला के जरिए से न केवल बॉलीवुड में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी एक अलग पहचान बनाई है।
हाल ही में ट्रेड एक्सपर्ट ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके अभिनय में कुछ खास है। उन्होंने नवाजुद्दीन की तुलना दिवंगत अभिनेता इरफान खान से करते हुए कहा कि नवाजुद्दीन में एक ऐसा गुण है, जो बहुत कम अभिनेताओं में होता है। उनका अभिनय रियल होता है दिखावा नहीं होता, बल्कि वह किरदार में पूरी तरह से खो जाते हैं। उनकी हर परफॉर्मेंस में ऐसा महसूस होता है कि वह जी रहे हैं, अभिनय नहीं कर रहे हैं।
कभी-कभी, यह मुझे इरफान खान की याद दिलाता है, लेकिन नकल में नहीं, बल्कि सार में वह शांत ईमानदारी और कहानी के प्रति सम्मान, जो इरफान की खासियत थी।
नवाजुद्दीन की अभिनय शैली की गहरी समझ को दर्शाता है। नवाजुद्दीन के अभिनय में एक सहजता और स्थिरता है, जो उन्हें किसी भी भूमिका में पूरी तरह से सजीव और वास्तविक बना देती है। उनका अभिनय कभी भी दर्शकों को कला का एहसास नहीं कराता, बल्कि ऐसा लगता है जैसे वह खुद किरदार का हिस्सा हैं। इस बयान का समर्थन करते हुए व्यापार विश्लेषक ने भी कहा कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अभिनय क्षमता ने उन्हें भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में एक अनमोल स्थान दिलाया है। उनकी कला न केवल उनके अभिनय कौशल को दर्शाती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि वे फिल्म इंडस्ट्री में अपने अद्वितीय योगदान से सदैव याद किए जाएंगे।

25 साल बाद सूर्यवंशम के मासूम बेटे की बदल गई पहचान

- अब 33 साल के हो चुके हैं आनंद वर्धन

1999 में रिलीज हुई अमिताभ बच्चन की फिल्म सूर्यवंशम भले ही बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हो, लेकिन इसका टीवी पर सफर बेहद शानदार रहा है। यह फिल्म टेलीविजन पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में शुमार है और इसके कई संवाद और किरदार आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स के जरिए जीवित हैं। खासकर हीरा ठाकुर और उनके बेटे के रिश्ते को दिखाने वाले दृश्य अब भी दर्शकों के दिलों में बसे हुए हैं। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने डबल रोल निभाया था और उनके बेटे का किरदार निभाने वाले चाइल्ड आर्टिस्ट आनंद वर्धन ने भी अपनी मासूम अदायगी से खास पहचान बनाई थी। आज वही आनंद वर्धन 33 साल के हो चुके हैं और उन्हें पहचान पाना काफी मुश्किल हो गया है।
आनंद वर्धन ने उस समय अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत किया था जब वे सिर्फ चार साल के थे और सूर्यवंशम के बाद उन्हें चाइल्ड आर्टिस्ट के रुप में पहचान मिली थी । वे तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री में वह एक जाना-पहचाना नाम थे। सूर्यवंशम में उन्होंने छोटे ठाकुर भानु प्रताप की भूमिका निभाई थी। फिल्म का एक बेहद लोकप्रिय डायलॉग 'संस्कार उम्र से बड़े हैं' उन्हीं पर फिल्माया गया था, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इस सीन में वे अपने दादा जी ठाकुर भानु प्रताप सिंह को स्याही गिरने पर माफ कर देते हैं, और यही क्षण फिल्म की सबसे भावनात्मक झलकियों में से एक बन गया।
इस फिल्म का निर्देशन ईवीवी सत्यनारायण ने किया था और यह तमिल फिल्म सूर्या वामसम की हिंदी रीमेक थी। शुरुआती दौर में फिल्म को सिनेमाघरों में कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन समय के साथ इसकी लोकप्रियता बढ़ती चली गई और यह एक क्लासिक के रूप में उभरी। हर उम्र के दर्शकों ने इसे अपना प्यार दिया। वर्तमान में आनंद वर्धन फिल्मों से पूरी तरह दूर नहीं हुए हैं। उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साउथ की कई अन्य फिल्मों में भी काम किया और आज भी फिल्म इंडस्ट्री से उनका नाता बना हुआ है। हालांकि अब वह काफी बदल चुके हैं और बहुत से लोग उन्हें पहचान भी नहीं पाते।

मौनी रॉय ने साझा किया डरावना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूतनी के प्रमोशन में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ सनी कौशल, पलक तिवारी और संजय दत्त भी नजर आएंगे। हाल ही में अपने एक साक्षात्कार में मौनी ने अपने साथ हुई एक बेहद डरावनी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। मौनी ने बताया कि एक बार वह एक छोटे शहर में थीं, जहां उनके होटल के कमरे में रात के समय एक अनजान व्यक्ति जबरदस्ती घुसने की कोशिश कर रहा था। मौनी ने इस घटना को याद करते हुए बताया कि किसी तरह उस शख्स ने उनके कमरे की चाबी चुरा ली थी और दरवाजा खोलने की कोशिश कर रहा था। इस समय मौनी अकेली नहीं थीं, उनकी मैनेजर भी उनके साथ मौजूद थीं। जब दोनों ने देखा कि कोई व्यक्ति अंदर घुसने की कोशिश कर रहा है, तो उन्होंने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इससे वह व्यक्ति भाग गया और तुरंत होटल रिसेप्शन को बुलाया गया। उन्होंने आगे बताया कि रिसेप्शनिस्ट ने इस स्थिति को बहुत ही कैजुअल ढंग से लिया और कहा कि शायद वह कोई हाउसकीपिंग स्टाफ रहा होगा। इस पर मौनी ने सवाल उठाया कि भला कौन सा हाउसकीपिंग स्टाफ बिना नॉक किए, बिना बेल बजाए, रात के 12:30 बजे दरवाजा खोलने की कोशिश करता है। मौनी ने इस अनुभव को बेहद डरावना बताया और कहा कि यदि उनकी मैनेजर साथ नहीं होती, तो हालात और खराब हो सकते थे। इसके साथ ही मौनी ने ट्रोलिंग को लेकर भी बात की, जहां हाल ही में उनके लुक्स को लेकर कई लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें निशाना बनाया था और यह तक कह डाला कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। इस पर मौनी ने बेबाकी से जवाब दिया कि वह इस तरह की ट्रोलिंग को देखती ही नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को स्क्रीन के पीछे बैठकर दूसरों को ट्रोल करने से खुशी मिलती है, तो उन्हें ऐसा करने देना चाहिए, लेकिन वह इन बातों से प्रभावित नहीं होतीं।

निकिता दत्ता ने बाबुलनाथ मंदिर में मांगी मन्नत

एक्ट्रेस निकिता दत्ता इन दिनों अपनी फिल्म ज्वेल थीफ को लेकर खूब चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज होने के तीन दिन बाद ही वह मुंबई के प्रसिद्ध बाबुलनाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान शिव के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उनका मंदिर से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें निकिता को सफेद रंग के सुंदर पारंपरिक परिधान में देखा जा सकता है। इस ड्रेस पर लाल फूलों का आकर्षक डिजाइन बना हुआ था, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आईं। वीडियो में निकिता श्रद्धा भाव से पूजा करती और नंदी के कान में मन्नत मांगती नजर आती हैं। उनके इस सादगी भरे अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। लोग उनकी भक्ति और ट्रेडिशनल लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले ज्वेल थीफ के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निकिता ने फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा था कि इस फिल्म के जरिए उन्हें क्लासिक बॉलीवुड हीरोइन बनने का मौका मिला, जो उनका सपना था। उन्होंने निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और उनकी पत्नी ममता आनंद का आभार भी जताया था। फैंस निकिता के नए सफर को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं।

कृष्णा श्रॉफ का एमएमए मैट्रिक्स: फिटनेस को भारत में नई दिशा दे रहा है

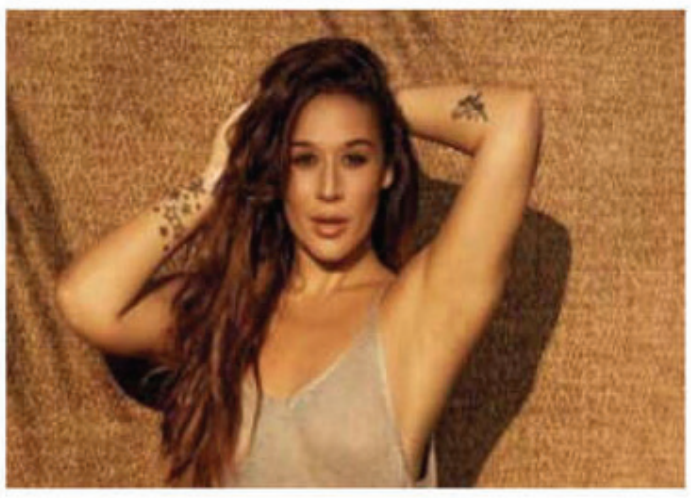

जानी-मानी फिटनेस आइकन और बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ आज फिटनेस और हेल्थ वेलनेस के क्षेत्र में एक सशक्त नाम बन चुकी हैं। फिटनेस के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता ने उन्हें एक सफल एंटरप्रेन्योर भी बना दिया है। कृष्णा और टाइगर श्रॉफ द्वारा स्थापित एमएमए मैट्रिक्स आज भारत में फिटनेस के प्रति सोच को बदलने का काम कर रहा है।
एमएमए मैट्रिक्स की शुरुआत मुंबई के एक प्रमुख जिम से हुई थी, और आज इसकी लगभग 14-15 फ्रेंचाइज़ी देशभर में फैल चुकी हैं। यह विस्तार इस बात का प्रमाण है कि उनकी विशिष्ट ट्रेनिंग शैली और वेलनेस अप्रोच को लोग किस कदर पसंद कर रहे हैं। कृष्णा श्रॉफ बताती हैं, "हमने एमएमए मैट्रिक्स के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहा, जो पारंपरिक जिम अनुभव से कहीं आगे हो। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय फिटनेस सुविधाएँ भारत में उपलब्ध कराना और व्यक्तिगत जुड़ाव को बनाए रखना था।" एमएमए मैट्रिक्स की सबसे बड़ी खूबी इसका समावेशी और सहायक माहौल है। यहाँ बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, और पुनर्वास की आवश्यकता वाले लोगों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इसके प्रशिक्षक न केवल फिटनेस में माहिर हैं, बल्कि पुनर्वास-केंद्रित ट्रेनिंग में भी दक्ष हैं, जिससे वह उन लोगों की भी मदद कर पाते हैं जो पारंपरिक जिम अनुभव से खुद को दूर कर देते थे।
कृष्णा ने जोर देते हुए कहा, यह सिर्फ़ उपकरणों की बात नहीं है; हमने एक ऐसा माहौल तैयार किया है जो व्यवसाय नहीं, बल्कि एक समुदाय जैसा महसूस होता है। हम चाहते हैं कि लोग जब हमारे जिम में आएं तो वे प्रेरित, समर्थित और सम्मानित महसूस करें। एमएमए मैट्रिक्स का यह दृष्टिकोण इसे अन्य व्यावसायिक जिम्स से अलग बनाता है। यहाँ स्थायी फिटनेस आदतों को विकसित करने के लिए सही मानसिक और भावनात्मक वातावरण तैयार किया गया है। अपने मिशन में कृष्णा श्रॉफ फिटनेस को भारत में हर वर्ग और हर ज़रूरत के व्यक्ति तक पहुँचाना चाहती हैं एक ऐसा लक्ष्य जो तेजी से हकीकत में बदल रहा है

कश्मीर के बचपन की यादें साझा कीं सेलीना जेटली ने

- पहलगाम आतंकी हमले पर किया भावुक पोस्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया यूनिवर्स सेलीना जेटली ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक भावुक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कश्मीर में बिताए अपने बचपन के अनुभवों को याद करते हुए एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह महज 8 या 9 साल की उम्र की दिख रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'एक सैनिक की बेटी शैव भूमि में- गोलियों से बचती हुई, अपने भय से नहीं।'
इस पोस्ट में उन्होंने अपने उन दिनों की चर्चा की जब वे आर्मी पब्लिक स्कूल, उधमपुर में पढ़ती थीं और उनके पिता पहाड़ी रेजीमेंट में अधिकारी थे। सेलीना ने बताया कि उन्होंने उत्तराखंड और अरुणाचल प्रदेश जैसे शांत और सुंदर इलाकों में भी समय बिताया, लेकिन कश्मीर की यादें हमेशा भय और सतर्कता से जुड़ी रहीं। उन्होंने लिखा कि उन्हें आज भी वह समय याद है जब स्कूल जाने के लिए बच्चों को हथियारों से लैस गार्ड्स की सुरक्षा में जाना पड़ता था। वे शक्तिमान या थ्री टन मिलिट्री ट्रकों में स्कूल जाती थीं, जो आम बच्चों की तरह स्कूल बसें नहीं थीं, बल्कि सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा थीं। उन्होंने बताया कि बचपन में ही उन्हें यह सिखाया जाता था कि अगर गोलीबारी हो तो कैसे झुकना है, चुप रहना है और खुद को कैसे सुरक्षित रखना है। उन्होंने लिखा कि कश्मीर जैसे खूबसूरत स्थान में भी वह खुलकर मैदानों में दौड़ नहीं सकती थीं, न ही जंगली फूलों को छू सकती थीं और न ही दोस्तों के साथ बेफिक्री से खेल सकती थीं।
अपने पोस्ट में सेलीना ने यह भी सवाल उठाया कि जो कश्मीर कभी ऋषियों की भूमि, शैव दर्शन और आध्यात्मिकता का केंद्र था, वह अब आतंक और डर का पर्याय कैसे बन गया है। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि इस हमले ने उनके बचपन की डरावनी यादों को फिर से ताजा कर दिया है। उन्होंने अंत में लिखा कि अब वक्त आ गया है कि इस डर के चक्र को तोड़ा जाए ताकि फिर से शांति, सुंदरता और आध्यात्मिकता की वापसी हो सके। उनका यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों की संवेदनाएं भी इससे जुड़ रही हैं।

शहनाज को चढ़ा पेंटिंग का नया शौक

पंजाब की कैटरीना कैफ के नाम पहचान बनाने वाली और दमदार फैन फॉलोइंग के लिए मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म या गाना नहीं, बल्कि उनका नया शौक पेंटिंग हैं। हाल ही में शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पेंटिंग करते हुए कई फोटो साझा कीं, जिसमें वह रंगों के साथ खेलती और ब्रश के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके इस नए अंदाज को फैंस द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा हैं और सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं।
अपनी चुलबुली अदाओं के लिए जानी जाने वाली शहनाज ने बचपन से ही एक्टिंग का सपना देखा था। मॉडलिंग से करियर की शुरुआत करने के बाद वह कई म्यूजिक वीडियोज़ और पंजाबी फिल्मों का हिस्सा रहीं। 2017 में सत श्री अकाल से उन्होंने फिल्मी डेब्यू किया। लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें बिग बॉस 13 से मिली, जिसने उनके करियर को नई उड़ान दी। इसी शो के बाद उन्हें सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अहम रोल मिला। इसके बाद शहनाज ने फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में भी शानदार अभिनय किया और राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में अपने आइटम सॉन्ग सजना वे सजना से खूब तारीफें बटोरीं। इसके अलावा उनका म्यूजिक वीडियो शीशे वाली चुन्नी रैपर हनी सिंह के साथ काफी लोकप्रिय हुआ, जिसे रिलीज़ के दो घंटे के भीतर ही 1.1 मिलियन से ज्यादा व्यूज़ मिले।
काम की बात करें तो शहनाज गिल जल्द ही निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन की फिल्म इक कुड़ी में नजर आएंगी, जो 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शहनाज न केवल अभिनय और गायन में बल्कि अब कला के क्षेत्र में भी अपनी रचनात्मकता का परिचय दे रही हैं। उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह पेंटिंग के जरिए भी किस तरह का जादू बिखेरती हैं।

माधुरी दीक्षित ने साझा किए शादी के शुरुआती दिनों के संघर्ष

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित और उनके पति डॉक्टर श्रीराम नेने की शादी को अब कई साल हो चुके हैं। यह जोड़ी न केवल फिल्मी दुनिया के परफेक्ट कपल्स में गिनी जाती है, बल्कि दोनों के बीच आपसी समझ और प्यार भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। माधुरी ने साल 1999 में अमेरिका के कार्डियक सर्जन डॉक्टर नेने से शादी की थी। शादी के बाद वह लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहीं और परिवार को प्राथमिकता दी। हाल ही में माधुरी दीक्षित का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अपनी शादीशुदा जिंदगी के शुरुआती दिनों के संघर्षों पर बात कर रही हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किए गए इस वीडियो में माधुरी ने बताया कि शादी के शुरुआती साल आसान नहीं थे, क्योंकि नेने फ्लोरिडा में काम करते थे और वह अकेले घर और बच्चों की जिम्मेदारियां निभा रही थीं। उन्होंने कहा कि नेने की ड्यूटी इतनी व्यस्त होती थी कि कई-कई दिन वे उन्हें देख नहीं पाती थीं। वह रातभर काम करके घर लौटते थे और थकान की वजह से डिनर किए बिना ही सो जाते थे। माधुरी ने बताया कि वह बच्चों को स्कूल ले जाना, वापस लाना, घर के काम करना सब कुछ खुद संभालती थीं। कभी जब वह बीमार होतीं तो डॉक्टर नेने उनके साथ नहीं होते क्योंकि वे किसी मरीज की देखभाल में व्यस्त होते थे। बावजूद इसके, उन्होंने कभी शिकायत नहीं की और हमेशा अपने पति पर गर्व महसूस किया। माधुरी ने कहा, जब आप घर पर होते थे, तो सब कुछ संभालते थे। आप कहते थे कि बस मुझे चार घंटे सोने दो, फिर मैं सब देख लूंगा। डॉक्टर नेने ने भी अपनी तरफ से कहा कि एक डॉक्टर होने के नाते उन्होंने काफी काम किया, लेकिन एक पछतावा हमेशा रहेगा कि उन्होंने अपनों के साथ ज्यादा समय नहीं बिता पाया। उन्होंने बताया कि शादी के वक्त वह जनरल सर्जरी कर चुके थे और फ्लोरिडा में अपनी मेडिकल प्रैक्टिस के लिए काम कर रहे थे। माधुरी ने इस बातचीत के अंत में कहा कि शादी से पहले उनकी जिंदगी में सिर्फ काम था, लेकिन शादी के बाद उन्हें असल जिंदगी का अनुभव हुआ। दोनों अब भारत में रह रहे हैं और अपने दो बेटों के साथ संतुलित पारिवारिक जीवन बिता रहे हैं।

मुंबई में वेव्स समिट 2025 का आयोजन राजस्थान मरुधर विशेष न्यूज़पेपर चीफ एडिटर ले रहे भाग

मरूधर विशेष

मुम्बई (सुनील मेघवाल) पीएम नरेंद्र मोदी ने किया वेव्स सबमिट 2025 का किया उद्घाटन देश का प्रथम वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समित (ङ्क्षड्ड1द्गह्य स्ह्वद्वद्वद्गह्) 1 मई से मुंबई में शुरुआत हुई जिसमें राजस्थान मरुधर विशेष न्यूज़पेपर से चीफ एडिटर विशाल यादव हुए शामिल। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान चीफ एडिटर विशाल यादव ने कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के उद्देश्य को गहनता से जाना। मुंबई में 1 मई से वेव्स समिट 2025 का पीएम नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया।वेव्स समिट 2025 देश का प्रथम वेव्स कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। यह कार्यक्रम 1 मई से शुरुआत होकर 4 मई तक आयोजित हो रहा है। इस कार्यक्रम में राजस्थान से मरुधर विशेष न्यूज़ पेपर के राजस्थान मुख्य संपादक विशाल यादव शामिल हुए। बॉलीवुड कलाकार शाहरुख खान ने वेव्स समिट 2025 में मौजूद लोगों का स्वागत किया। उन्होंने कहा हमारे विशिष्ट अतिथियों भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का विशेष स्वागत है।

वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (Waves Summit) गुरुवार 1 मई से मुंबई में इसकी शुरुआत हो चुकी है। इस समिट में फिल्म इंडस्ट्री के कई बड़े दिग्गजों के शामिल होने की चर्चा है और इस समिट का उद्देश्य मीडिया एंटरटेनमें की क्षमता को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने वेव्स समिट का उद्घाटन किया और भारतीय सिनेमा के योगदान का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि कॉन्टेंट से भारत को आगे ले जाने का प्लान है। पीएम ने ए आर रहमान और राजमौली की तारीफ पीएम मोदी ने राज कपूर के बारे में जिक्र करते हुए बताया कि जापान में उनकी काफी ज्यादा लोकप्रियता थी। उन्होंने इस दौरान बाहुबली फिल्म के डायरेक्टर एसएस राजमौली और ए आर रहमान का भी जिक्र किया और उनकी तारीफ की।

भारतीय सिनमे के पांच दिग्गजों का डाक टिकट जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय सिनेमा के दिग्गज हस्तियां गुरु दत्त, पी. भानुमति, राज खोसला, ऋत्विक घटक और सलिल चौधरी पर स्मारक डाक टिकट लॉन्च किए।

पीएम मोदी ने कहा भारत म्यूजिक का हब बन रहा है। इसमें तमाम संभावनाएं हैं। भारत के खाने की तरह भारत का गाना भी दुनियाभर में मशहूर होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि यह भारत में औरेंज इकॉनोमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये औरेंज इकॉनोमी की तीन धुरी है।

उन्होंने कहा, "भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती है। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक इंडियन कंटेंट को सबटाइटल्स के साथ देख रहे हैं।"'

अनारायणपुर में बिजली सप्लाई में परिवर्तन करने की मांग, अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर।नारायणपुर उपखंड क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर आज ग्रामीणों ने विभाग के कार्यालय में ऐईएन को ज्ञापन सौंपकर बिजली आपूर्ति के समय में परिवर्तन करने की मांग की है। राकेश दायमा ने बताया कि नारायणपुर उपखंड क्षेत्र में वर्तमान में प्रतिदिन सुबह 9 बजे बिजली आपूर्ति की जा रही है। जिसके चलते गर्मी के समय में सुबह बिजली आपूर्ति नहीं होने से स्कूल जाने वाले बच्चों, नौकरीपेशा लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह 5 बजे से ही ग्रामीण जनजीवन सक्रिय हो जाता है। जिसको लेकर लोगों को सभी सुविधाओं के लिए सुबह बिजली की आवश्यकता रहती है। ग्रामीणों ने विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि सुबह 9 बजे बिजली सप्लाई करने के बजाय सुबह 7.30 बजे से 8 बजे के बीच बिजली सप्लाई चालू की जाए। जिससे लोगों की दिनचर्या सुचारू रूप से चल सके। उन्होंने बताया कि 9 बजे बिजली सप्लाई आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान आसपास क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

विधायक देवीसिंह शेखावत ने पंचायत राज विभाग के अधिकारियों की बैठक ली, आमजन की समस्याओं को दूर करने के निर्देश, ग्राम पंचायतों में सफाई व्यवस्था में सुधार करे - देवीसिंह शेखावत

मरूधर विशेष

बानसूर सुरेश कुमार सैनी बानसूर ।पंचायत समिति सभागार में आज विधायक देवीसिंह शेखावत ने पंचायती राज विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान पंचायत राज विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आमजन की समस्याओं को दूर करने, पंचायतों में साफ सफाई दुरुस्त करने सहित पूर्व में किए गए कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को पूरा मिले। इस दौरान पंचायत राज विभाग के सभी ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान नरेगा कार्मिक (ग्रामीण विकास) संघ बानसूर ने विधायक देवीसिंह शेखावत को अपनी पदस्थापन की मांग को

लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग कि है कि ग्रामीण विकास विभाग के नवसृजित पदों के लिए सेवा नियम जारी किए जाए। उन्होंने कहा कि कार्मिक विभाग की ओर से अनुमोदन होने के बाद आज तक भी सेवा नियम जारी नहीं किए गए है। लोक विज्ञापन और योग्यता के कारण वंचित कार्मिकों को शिथिलता दी जाए। नरेगा योजना में कार्यरत कार्मिक संविदा नियम में आने के बाद जिन्होंने 3 वर्ष का अनुभव पूरा करने वाले कार्मिकों को नियमित नियुक्ति दी जाए। राज्य सरकार द्वारा महानरेगा में 9 वर्ष या उससे अधिक अनुभव रखने वाले कार्मिकों नियमित करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग की ओर से प्रशासनिक नियुक्ति जारी की जाए। इस दौरान एसडीएम अनुराग हरित, विकास अधिकारी महेन्द्र सैनी सहित पंचायत राज विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

ए. एन. एम के व्यवहार से परेशान होकर आत्मदाह की कोशिश करने वाली आशा वर्कर के घर पहुंचे , ग्रिवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी,

मरुधर न्यूज

सुनीता सैनी बहादुरगढ़ अधिकारिओं द्वारा दुर्व्यवहार का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा, किला मोहल्ला पी. एच. सी सेंटर में कार्यरत बैंक कलोनी निवासी आशा वर्कर रामभतेरी नें ए. एन. एम के दुर्व्यवहार से परेशान होकर आत्मदाह की कोशिश की सही समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई मामले का पता लगते ही ग्रिवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी नें आशा वर्कर रामभतेरी के निवास स्थान पर जाकर उनका हाल -चाल जाना व मामले की सारी जानकारी सम्बंधित विभाग के उच्च अधिकारिओं को देते हुए इस पर कड़ा संज्ञान लेने की बात कही पीड़ित रामभतेरी नें

बताया की मुझ विकलांग को पिछले कई महीनों से मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा है द्य वही इस परेशानी के कारण मेरी टांग में फ्रेकचर भी हो गया जिस की शिकायत मैंने एम. ओ व पुलिस विभाग को दी है द्य वहां मौजूद स्थानीय निवासिओं नें भी ए. एन. एम के दुर्व्यवहार की आपबीती बताई वही सैनी नें कहा की इस तरह की हरकत बर्दास्त से बाहर है इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जायेगा नायब सरकार में किसी भी अधिकारी को तानाशाही रवैया बर्दास्त नहीं होगा इस अवसर पर आशा वर्कर रेणु, स्नेहलता, सुदेश, सीमा, कल्पना, मीनाक्षी, गीता, अनीता, सुनील, चन्दरकांता, गीता, रानी, कुसुम, ललिता, बबिता, सुनीता, आदि मौजूद रहे

कस्बे के मसारी रोड पर संदिग्ध अवस्था में मिला अधेड़ का शव

मरूधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। कस्बे के मसारी रोड स्थित एक अधेड़ व्यक्ति का शुक्रवार संदिग्धावस्था में शव मिला है। घटनास्थल पर सेलफास के छह भरे व एक खाली पाऊच मिले? है। पुलिस प्रथमदृष्टया इसे आत्महत्या मान रही है। थानाधिकारी महेश तिवाड़ी ने बताया कि चौहरी के नंगला निवासी घूरमल पुत्र सावलदास ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पुत्र जोगेंद्र जाटव उम्र 42 साल अपने परिवार के साथ शाहजहांपुर नीमराना रहता है। और तीस अप्रैल को बड़ौदा मेव के पास स्थित ससुराल जयसिंहपुरा में परिवार के साथ अपनी साली की शादी समारोह में आया था। जानकारी के अनुसार मृतक शराब पीने के आदि था। और वहां आपस में कहासुनी हो गई। शादी सम्पन्न होने के बाद मृतक की पत्नी व बच्चे शाहजहांपुर चले गए। और मृतक अगले दिन एक मई को गांव वापिस आने के लिए आ गया। लेकिन गांव नहीं पहुंचा और दो मई को? सुबह जोगेन्दर की लाश कठूमर कस्बे के मसारी रोड पर संदिग्ध हालात में मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कठूमर सीएचसी पर पोस्टमार्टम करा लाश परिजनों को सौंप दी।

बूंदी जिले केशोरायपाटन सुनील मेघवाल संवाददाता

केशोरायपाटन अस्पताल में डॉक्टर स्टाफ की कमी से मरीज परेशानी

मरूधर विशेष

केशवरायपाटन उपखंड मुख्यालय के रेफरल अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी से मरीजों को इलाज के लिए निजी अस्पतालों जाने के लिए मजबूर अस्पताल में अधिकतर डॉक्टरों की कुर्सियां खाली हैं। महिला रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ तक नहीं हैं। डेढ़ साल से स्त्री रोग विशेषज्ञ का पद खाली है। इससे जननी सुरक्षा योजना के दावे फेल हो रहे हैं। अस्पताल में रोजाना 400 से 500 मरीज इलाज के लिए आते हैं।

केशवरायपाटन शहर और आसपास की 10 पंचायतों के मरीज यहां इलाज की उम्मीद में पहुंचते हैं, लेकिन न विशेषज्ञ डॉक्टर मिलते हैं, न जांच होती है। इससे निजी क्लिनिक और जांच केंद्रों को फायदा हो रहा है

गंगाजल कलशमय हुआ लिमथान सनातन का कोई सानी नहीं- उत्तम स्वामी

शिखर प्रतिष्ठा के साथ 101 कुण्डिय विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति

मरूधर विशेष

बांसवाड़ाः 'धर्मो रक्षति रक्षितः।' जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी धर्म रक्षा करता है। यह बात महामंडलेश्वर ध्यानयोगी उत्तमस्वामी महाराज ने लिमथान गांव में आयोजित गंगाजल कलश यात्रा के उपरांत धर्म सभा में कही। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और हम एक दूसरे से अलग-अलग नहीं है। इसका कोई सानी नहीं है।।जो धर्म की रक्षा करेगा धर्म उसकी रक्षा करेगा। वर्तमान काल में हिंदुओं को एकजुट होना होगा और इस प्रकार के अनुष्ठान समाज में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने विप्र फाउंडेशन से आह्वान किया कि? लिमथान में यह आयोजन प्रतिवर्ष करें जिससे कि सनातन धर्म की गतिविधियों को और अधिक बल मिले। पिछले चार दिनों से लिमथान में संचालित विष्णु महायज्ञ में लाखों आहुतियों से समूचा परिसर

हविमय हो उठा। सर्व सनातन समाज के सहयोग और विप्र फाउंडेशन के द्वारा आयोजित 101 कुंडीय विष्णु में श्रीफल होम के साथ पूर्णाहुति हुई। अक्षय तृतीया परशुराम जयंती से लेकर शंकराचार्य जयंती तक चले इस अनुष्ठान में सनातन समाज के विराट स्वरूप के दर्शन हुए। जिले के सभी समाजों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। सभी ने अपने अपने सामर्थ्य अनुसार सहयोग भी किया। इस मौके पर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना की। इस मौके पर पूर्व केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालविया पूर्व मंत्री धनसिंह रावत भाजपा जिलाध्यक्ष पूँजीलाल गायरी प्रधान बलवीर रावत लिमथान सरपंच लक्ष्मण निनामा, सियापुर सरपंच विट्ठल भाई डामोर सहित बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। आरम्भ में विप्र फाउंडेशन के प्रदेश महामंत्री योगेश जोशी जिलाध्यक्ष ललित जोशी प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पालीवाल प्रदेश महामंत्री राजेश पालीवाल महिला प्रदेश मंत्री कीर्ति आचार्य, कामिनी नागर, दक्षा उपाध्याय, शशि कुमार शर्मा, भारतसिंह पटेल बोदला, गौतम भाई सियापुर सहित बड़ी संख्या में सर्व समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद पानेरी ने किया। आभार परशुराम सेवा संस्थान के संयोजक महेश जोशी ने व्यक्त किया। *गंगाजल कलश यात्रा में आस्था की हिलोर इस धार्मिक महा अनुष्ठान में शुक्रवार को लगभग 5108 महिलाओं ने कलश यात्रा के साथ शोभायात्रा निकाली। इस शोभायात्रा में आस्था का ज्वार हिलोरे ले रहा था। लगभग तीन किलोमीटर लम्बी कतार की भव्यता देखते ही बनती थी। महायज्ञ के संयोजक विनोद पानेरी ने बताया कि शोभायात्रा मंदिर के निकट बह रही नदी पर पहुंची जहां पर आचार्य पंकज जोशी के निर्देशन में पूजन अर्चन और गंगा मैया का आह्वान कर कलश भरवाए गए। यज्ञ के संरक्षक स्वामी विवेकानन्द महाराज के सानिध्य में हुए आयोकन में सभी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा ने मंदिर की ओर प्रस्थान किया। विभिन्न धार्मिक गीतों की ध्वनि के बीच महिलाएं कम से कम मिलते हुए शोभायात्रा के रूप में मंदिर पहुंची यह शोभायात्रा विशाल धर्म सभा में परिवर्तित हुई। आचरण में उतारे धर्म गंगोत्री से आए हुए संत रामदास महाराज ने गंगाजल कलश यात्रा से पूर्व सभी महिलाओं का पाद पूजन किया। अक्षत कुमकुम द्वारा सभी महिलाओं को तिलक लगाने के साथ ही उनका पद पूजन भी किया गया। संत रामदास महाराज ने कहा कि हमें अपने कार्यों द्वारा सनातन धर्म को आपस में जोड़े रखता है इसके लिए हमें अपने आचरण में धर्म में बताए गए मार्ग पर चलना होगा,जो स्पष्ट दृष्टिगोचर भी होना चाहिए।

जातिगत जनगणना की घोषणा पर कांग्रेस भाजपा और सामाजिक संगठनों द्वारा की गयी आतिशबाजी सभी वर्गों ने खुशी मनाई

कांग्रेस भाजपा के नेताओं ने अपनी अपनी पार्टी नेतृत्व को दिया श्रेय

मरूधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा बांसवाड़ाः देश में आजादी के बाद से लंबे समय से विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा जातिगत जनगणना की मांग की जा रही थी लेकिन जाति का जनगणना नहीं कर केवल दशकीय जनगणना हो रही थीद्य ब्रिटिश हुकूमत ने 1872 से 1931 तक जातिगत जनगणना कराई जिसमें केवल अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति की ही जातिगत जनगणना की जाती थी, अन्य वर्गों की नहीं जिसके चलते जनसंख्या के आधार पर पिछड़ों को उनका हक और अधिकार नहीं मिल पा रहा थाद्य जनसंख्या के आधार पर ओबीसी आरक्षण और सभी वर्गों क्षेत्र में हिस्सेदारी नहीं मिलने पर ओबीसी अधिकार मंच और सामाजिक संगठनों द्वारा जातिगत जनगणना कराई जाने की मांग की जा रही थी। केंद्र सरकार कि मोदी सरकार की ओर से जातिगत जनगणना करने की घोषणा के बाद गांधी मूर्ति पर ओबीसी अधिकार मंच सामाजिक संगठनों भाजपा कांग्रेस आदि राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों ने आतिशबाजी कर तथा एक दूसरे को मिठाई

खिलाकर स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की मोदी सरकार का धन्यवाद और विपक्ष के नेता राहुल गाँधी का आभार जताया । सभी ने जातिगत जनगणना को ऐतिहासिक कदम बताया। इस अवसर पर ओबीसी अधिकार मंच राजस्थान तथा सामाजिक कार्यकर्ता डॉ नरेश पटेल ने कहा कि जातिगत जनगणना सामाजिक न्याय, सामाजिक संगठनों और संविधान की जीत है द्य जातिगत जनगणना किसी भी जाति के खिलाफ नहीं है बल्कि सभी जाति व वर्गों को उनकी बराबरी की भागीदारी दिलाने का एक कदम है।इस अवसर पर कांग्रेस की भगवती भील ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए मोदी सरकार का बड़ा फैसला देते हुए कहा कि एसटी एससी ओबीसी दलित पिछड़ों के लिए अधिक हितकारी होगा । अब उन्हें उसका वास्तविक लाभ मिल पाएगा। गांधीवादी और कांग्रेस के मीडिया प्रभारी भारत दोसी ने कहा कि सिर्फ मोदी ने हैडलाइन ली है, टाइम लाइन नहीं दी है कि कब से जातिगत जनगणना लागू करेंगे और कब जनगणना खत्म? जातिगत जनगणना राहुल गांधी के प्रयासों की जीत हैद्य उन्होंने कहा कि ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत आरक्षण बिना नियम कानून के दिया गया जो बिना जनगणना और तथ्यों के परे दिया गया है । जबकि ओबीसी को भी 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण जनगणना करें बिना भी दिया जा सकता था । जिसे मोदी सरकार ने वंचित रखा है। भाजपा से पूर्व पार्षद महेश तेली ने कहा कि पिछले 50 वर्षों से कोई सरकार जातिगत जनगणना का फैसला नहीं ले पाई जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेकर पिछड़ों ओबीसी के लिए इतिहास रच दिया है जिससे अब एसटी,एससी, दलित ओबीसी के सभी जातियों को भी उनकी हिस्सेदारी मिल पाएगीद्य साथ ही सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की सोच बदलकर एक समरसता पर आएगी। इस अवसर पर कांग्रेस के घाटोल युवा विधानसभा अध्यक्ष हेमंत मईड़ा ने कहा कि पिछले लंबे समय से एक बड़ा समुदाय अपनी जाति का जनगणना की मांग कर रहा था अब उनको अपनी सामाजिक आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी तथा अपना हक अधिकार मिलने का मार्ग खुलेगा। जाट महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र जाट ने कहा कि जातिगत जनगणना से सामाजिक और आर्थिक रूप से सभी समुदाय को उनका हक लाभ तो मिलेगा ही तथा सभी समुदायों को भी सामाजिक राजनीति में प्रतिनिधित्व मिल पाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना शीघ्र कराकर सभी आंकड़ों को सार्वजनिक किए जाने की मांग की ताकि जिनकी जितनी संख्या भारी, उतनी उनकी शासन में हिस्सेदारी दी जा सके द्य उन्होंने जातिगत जनगणना को बहुजन समाज और कांशीराम की जीत बताया। इस अवसर पर शाहीद मंसूरी ने कहा कि जातिगत जनगणना की घोषणा कई सामाजिक संगठनों के संघर्ष की जीत है। उन्होंने बिहार तथा तमिलनाडु फार्मूला लागू करने तथा पुरानी जनगणना की कमियों को दूर करते हुए सामाजिक संपन्न जातियों को ओबीसी से हटाने की मांग की।ओबीसी अधिकार मंच के नगर अध्यक्ष लक्ष्मीकांत भावसार ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार तथा देश और ओबीसी के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी ने जातिगत जनगणना कराने ने की घोषणा कर देश की ओबीसी पिछले दलित वर्गों के प्रति अपनी जिम्मेदारी पूरी करते हुए कृतज्ञता निभाई हैद्य यह फैसला मंडल आयोग,पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह, बाबा साहब अम्बेडकर के साथ ओबीसी अधिकार मंच और भाजपा कांग्रेस के साथ सभी राजनीतिक दलों की जीत करार दिया । साथ ही उन्होंने मोदी जी और राजस्थान में भजनलाल सरकार की डबल इंजन की सरकार से टीसीपी में ओबीसी को परीक्षाओं में अंकों में प्रतिशत तथा आयु की छूट दिलाते हुए ओबीसी आरक्षण को टीएसपी में में शीघ्र दिलाने की मांग की है। जितेंद्रकुमार भोई, रामचंद्र राठौड़, शैलेन्द्र सिंह राठौड़, भेरूलाल मीणा, गिरिराज मीणा अन्य उपस्थित थे द्य

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732